

For All Competitive Exams

• LIVE

RNA[®]

By Ankit Avasthi Sir

THE HINDU

THE TIMES OF INDIA

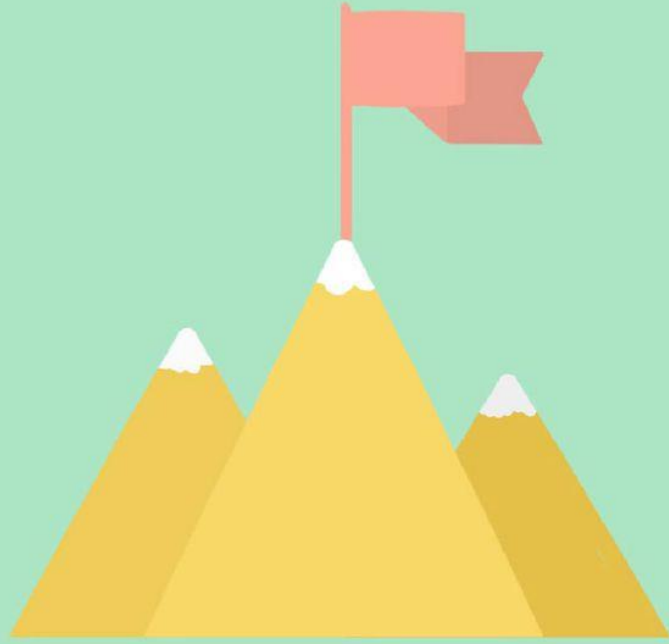
HT Hindustan Times

The Indian EXPRESS

09:00Am 19 June 2024

REAL NEWS & ANALYSIS





**“Be yourself;
everyone else is
already taken.”**











Republic of TAIWAN Welcomes
US House Speaker Nancy Pelosi

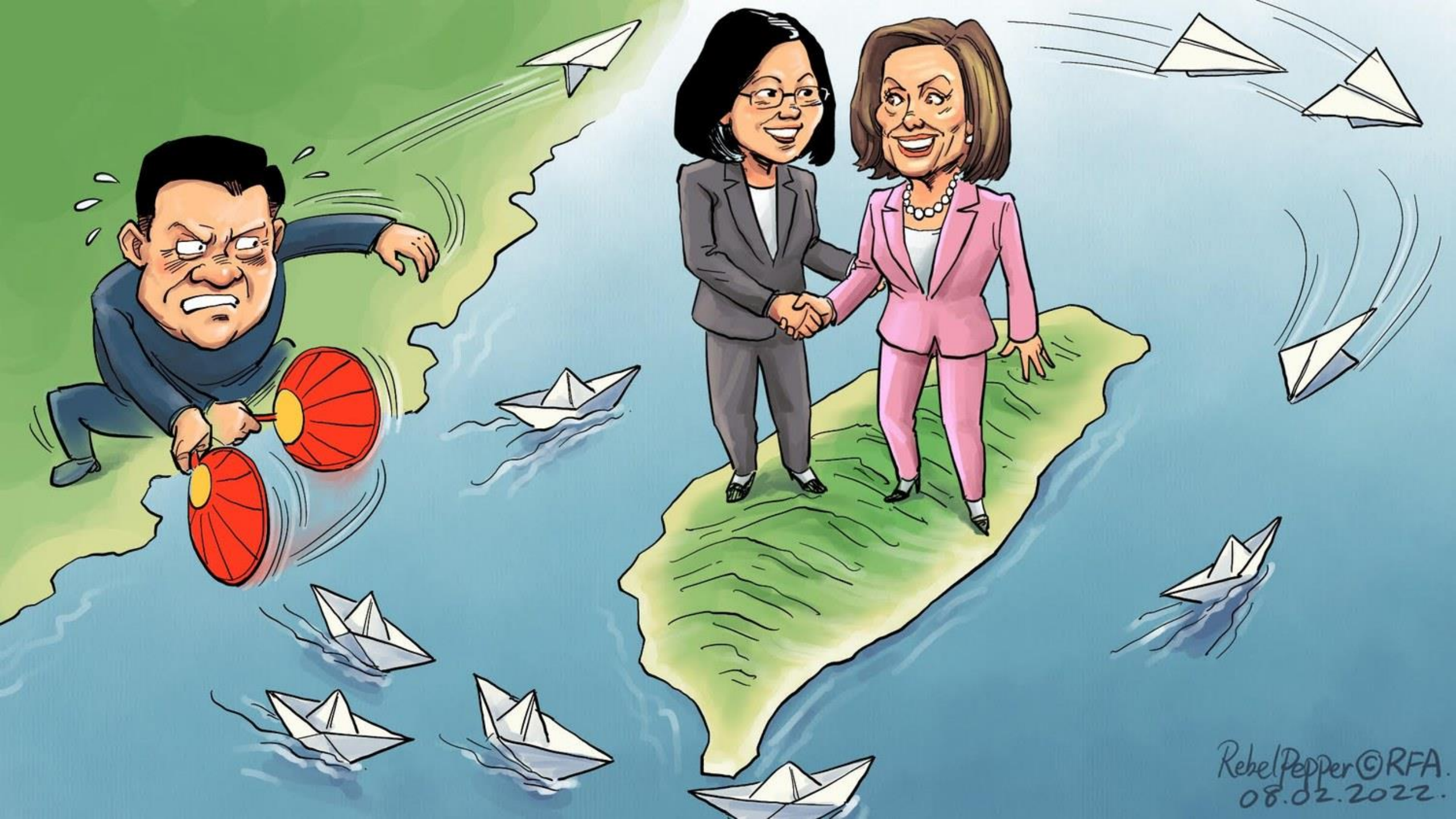
TAIWAN
IS HELPING

DEMOCRACIES
TOGETHER
STRONG

MADAM SPEAKER
WELCOME TO
TAIWAN

RAJAHYIA

FREED



Rebel Pepper © RFA.
08.02.2022.

In a banned tweet, a top state-media commentator reportedly said China could 'forcibly dispel Pelosi's plane' and shoot it down if it flies to Taiwan

Bethany Dawson Jul 30 2022 19:45 IST



International

2 min read

House Speaker Nancy Pelosi attends her weekly news conference at the US Capitol on February 23, 2022 in Washington, DC. Win McNamee/Getty Images

- A propagandist for the Chinese government warned that the plane carrying House Speaker Nancy Pelosi could be attacked.



News | Politics

'If she dares': China warns Nancy Pelosi against visiting Taiwan

The foreign ministry threatens 'serious consequences' if the US house speaker makes a trip to the self-ruled island claimed by Beijing.



Threats of retaliation over a visit by Pelosi have driven concerns of a new crisis in the Taiwan Strait [File: J Scott Applewhite/AP]

1 Aug 2022



China says its military will never "sit idly by" if US House of Representatives Speaker Nancy Pelosi were [to visit Taiwan](#), the self-ruled island claimed by Beijing.



Spokesperson发言人办公室

@MFA_China



The US side needs to fulfill President Biden's commitment of not supporting "Taiwan independence" and refrain from arranging for a visit by Speaker Pelosi to Taiwan.



8:09 PM · Aug 1, 2022

3 Aug 2022

NDTV



**US SPEAKER NANCY PELOSI
LANDS IN TAIWAN**

Vox

POLITICS

The US and China might not get over the Taiwan crisis

The US-China relationship will continue to deteriorate.

by **Ellen Ioanes**

Aug 7, 2022, 4:30 AM GMT+5:30





Politics

US Lawmakers to Visit India to Strengthen Ties, Meet Dalai Lama

- Delegation led by House foreign panel Chairman Michael McCaul
- Former Speaker Pelosi joins trip backing Tibetan causes



The Dalai Lama *Photographer: Sandeep Kumar/Anadolu Agency/Getty Images*



Gift this article

By [Anup Roy](#)

June 16, 2024 at 10:21 AM GMT+5:30

Save







US congressional delegation that will be in India's Dharamshala shortly:

- Gregory W. Meeks
- Michael McCaul
- Nancy Pelosi
- Jim McGovern
- Ami Bera
- Mariannette Miller-Meeks
- Nicole Malliotakis

**We Heartily Welcome
United States Congressional Delegation
led by Rep. Michael McCaul to Dharamshala**

**We Warmly Welcome
Speaker Emerita Nancy Pelosi
to Dharamshala**

भारतीय
Airports
कांगड़ा हवाई अड्डे का आपका स्वागत है।
Welcomes You to Kangra Airport

कांगड़ा हवाई अड्डे का आपका स्वागत है।
Welcomes You to Kangra Airport



अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैसी पेलोसी 2 दिन के दौरे पर भारत आई हैं। वह धर्मशाला में तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात करेंगी। दोपहर करीब 12:30 बजे पेलोसी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर लैंड हुईं। उनके साथ अमेरिका के 6 सांसदों का डेलिगेशन मौजूद है।

नैसी इससे पहले मई 2017 में भी दलाई लामा से मिलने भारत आई थीं। तब चीन ने अमेरिका को तिब्बत मामले में दखल के खिलाफ चेतावनी दी थी। पेलोसी लंबे समय से तिब्बत की आजादी का समर्थन करती आई हैं।







तेनजिन ग्यात्सो

14वें दलाई लामा

जन्म 6 जुलाई 1935
(उम्र 87 साल)

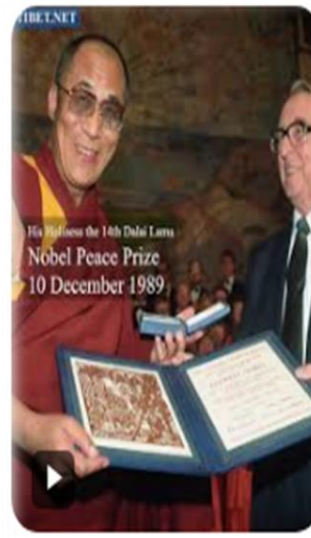
तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष
और आध्यात्मिक गुरु

1959 में पहली बार चीन से तवांग आए,
तभी से भारत में रह रहे हैं

दलाई लामा को 10 दिसंबर 1989 को शांति
के लिए नोबेल प्राइज मिला

शांति के लिए दुनिया के 65 से भी ज्यादा
देशों की यात्रा कर चुके हैं

1959 से लेकर अब तक दलाई लामा को
85 से ज्यादा पुरस्कार मिले हैं



Facebook
His Holiness the 14th Dalai Lama



Central Tibetan Administration
His Holiness the Dalai Lama Has ...



Central Tibetan Administration
His Holiness the Dalai Lama Be...



His Holiness the 14th Dalai Lama
winning the Nobel Peace Prize | His ...



His Holiness the 14th Dalai Lama
Events and Awards | The 14th Dalai Lama



His Holiness the 14th Dalai Lama
U.S.

आखिर तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से इतना क्यों
चिढ़ता है चीन?



चीन दलाई लामा को अलगाववादी मानता है और शुरू से ही उसका मानना है कि दलाई लामा उसके लिए बड़ी समस्या है। यही वजह है कि दलाई लामा जब भी किसी देश की यात्रा पर जाते हैं, तो चीन आधिकारिक बयान जारी कर इस दौरे पर आपत्ति जताता है।

यहां तक कि दलाई लामा अगर अमेरिका गए हैं, तो भी चीन आपत्ति जता देता है। हालांकि, 2010 में उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चीन के विरोध के बावजूद दलाई लामा से मुलाकात की थी।



चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। 1357 से 1419 तक तिब्बत में एक धर्मगुरु हुए, जिनका नाम जे सिखांपा था। 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।

यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चित छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन जो आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।



दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं। **दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है। लामा का मतलब गुरु होता है। लामा अपने लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं।**

तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं। **1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक़्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है। मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है। अंततः पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे।**

इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था। **तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई। जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी।**

चीन और दलाई लामा के बीच समकालीन संबंध

दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है। **13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था।** उस समय तो चीन ने कोई आपत्ति नहीं जताई। **करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया।** चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां **14वें दलाई लामा** को चुनने की प्रक्रिया चल रही थी। तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा।



जब चीन से बचकर भारत भागकर आए दलाई लामा

1956 में चीन के उस समय के प्रधानमंत्री झाऊ एन-लाई भारत दौरे पर आए थे। उनके साथ दलाई लामा भी आए थे। और दोनों ने उस समय के भारतीय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से भी मुलाकात की थी। **कहा जाता है कि उस समय दलाई लामा ने नेहरू के सामने तिब्बत की आजादी की बात छोड़ दी। लेकिन, नेहरू ने उन्हें समझाया कि वो तिब्बत की आजादी की बात छोड़कर उसकी स्वायत्ता की चाह रखें।**



ये तस्वीर 28 नवंबर 1956 की है। उस समय चीन के प्रधानमंत्री झाऊ एन-लाई 12 दिन के दौरे पर भारत आए थे। उनके साथ दलाई लामा भी भारत आए थे। (पहले से दूसरे नंबर पर दलाई लामा, चौथे पर झाऊ एन-लाई, पांचवें पर जवाहर लाल नेहरू और छठे पर इंदिरा गांधी)

भारत दौरे के कुछ साल बाद चीन की सरकार ने दलाई लामा को बीजिंग बुलाया। साथ ही शर्त भी रखी कि वो अकेले ही आए। यानी उनके साथ न कोई सैनिक आए, न कोई बॉडीगार्ड और न ही कोई उनका समर्थक। उस समय दलाई लामा के एक ऑस्ट्रेलियाई दोस्त भी थे। नाम था हेंरिचक हॉरेर। हेंरिचक ने उन्हें सलाह दी कि अगर वो बीजिंग अकेले गए, तो उन्हें हमेशा के लिए पकड़ लिया जाएगा।

मार्च 1959 में दलाई लामा सैनिक के वेश में तिब्बत से भागकर भारत आ गए। उन्हें भारत आने में 14 दिन का वक्त लगा था। दलाई लामा अरुणाचल प्रदेश के त्वांग को पार कर भारत आए थे। इसके बाद अप्रैल 1959 में भारत ने दलाई लामा को शरण दी। जिस वक्त उन्हें शरण दी गई, उस वक्त उनकी उम्र महज 23 साल थी।

दलाई लामा की छवि शांति के प्रतीक के रूप में बनी

1989 में दलाई लामा को शांति का नोबेल सम्मान मिला। दलाई लामा का अब कहना है कि वह चीन से आजादी नहीं चाहते हैं, लेकिन स्वायत्तता चाहते हैं। 1950 के दशक से दलाई लामा और चीन के बीच शुरू हुआ विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। दलाई लामा के भारत में रहने से चीन से रिश्ते अक्सर खराब रहते हैं।





दुनिया की छत पर चीन का कब्जा

1912 में तिब्बत ने खुद को स्वतंत्र घोषित किया, 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला कर दिया

1951 में एक समझौते के साथ तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन गया

भारत से चलती है तिब्बत की निर्वासित सरकार, हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में मुख्यालय



WION



"Greetings to people of Dharamshala, excited to meet his holiness Dalai Lama. President Biden will sign Tibet Resolve act" Michael McCaul, Chairman, House Foreign Affairs Committee



हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला से तिब्बत की निर्वासित सरकार चलती है।

इस सरकार का चुनाव भी होता है। चुनाव में दुनियाभर के तिब्बती शरणार्थी वोटिंग करते हैं। वोट डालने के लिए शरणार्थी तिब्बतियों को रजिस्ट्रेशन करवाना होता है। चुनाव के दौरान तिब्बती लोग अपने राष्ट्रपति को चुनते हैं जिन्हें 'सिकयोंग' कहा जाता है। भारत की ही तरह वहां की संसद का कार्यकाल भी 5 सालों का होता है। तिब्बती संसद का मुख्यालय हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में है।

चुनाव में वोट डालने और चुनाव लड़ने का अधिकार सिर्फ उन तिब्बतियों को होता है जिनके पास 'सेंट्रल तिब्बेतन एडमिनिस्ट्रेशन' द्वारा जारी की गई 'ग्रीन बुक' होती है। ये बुक एक पहचान पत्र का काम करती है।

Asia Pacific

US lawmakers in India to meet Dalai Lama, discuss Tibet-China dispute bill

By Charlotte Greenfield

June 18, 2024 9:11 PM GMT+5:30 · Updated 7 hours ago



Aa

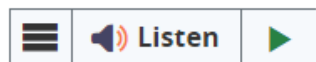


अमेरिका में 12 जून को तिब्बत से जुड़ा एक बिल पास किया गया था। इसमें कहा गया था कि US दुनियाभर में चीन के तिब्बत को लेकर फैलाए गए झूठ का जवाब देगा। इस दौरान अमेरिकी अधिकारी चीन के तिब्बत को अपना हिस्सा बताने वाले दावों को भी खारिज करेंगे।

नैन्सी पेलोसी ने 2008 के अपनी धर्मशाला यात्रा के दौरान कहा था कि तिब्बत में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अमेरिका अपने अभियानों को जारी रखेगा। उन्होंने 2019 में संसद में 'द तिब्बत पॉलिसी एक्ट' पास कराने में मदद की थी। इस एक्ट के जरिए अमेरिका तिब्बत की पहचान को बचाने के लिए आवाज उठाता है। पेलोसी की वजह से ही अमेरिका में दलाई लामा का कद बढ़ा है।

Summary: H.R.4331 — 116th Congress (2019-2020)

[All Information](#) (Except Text)



There are 2 summaries for H.R.4331.

Passed House (01/28/2020)



[Bill summaries](#) are authored by [CRS](#).

Shown Here:

Passed House (01/28/2020)

Tibetan Policy and Support Act of 2019

This bill modifies and reauthorizes various programs and provisions related to Tibet and China.

The President shall provide funds to nongovernmental organizations for projects supporting Tibetan communities in Tibet in areas such as sustainable economic development, cultural preservation, and education.

The Department of State may not authorize any new Chinese consulates in the United States until a U.S. consulate has been established in Lhasa, Tibet.

The bill reauthorizes the Office of the U.S. Special Coordinator for Tibetan Issues and expands the office's duties to include additional tasks, such as pursuing international coalitions to ensure that the next Dalai Lama is appointed solely by the Tibetan Buddhist faith community.

The bill requires the State Department to discuss U.S. efforts to promote the human rights of the Tibetan people, including the right to select and venerate their own religious leaders, in an existing periodic report on Tibet.

US Congress passes Resolve Tibet Act

By International Campaign for Tibet | June 12, 2024



COUNTERING CHINESE DISINFORMATION ABOUT TIBET
2/3 Majority Needed to Pass

LIVE

ON MOTION TO SUSPEND THE RULES AND PASS

	YEA	NAY	PRESENCE	NO VOTE
REPUBLICAN	185	26		7
DEMOCRATIC	206			7
INDEPENDENT				
TOTALS	391	26		14

U.S. HOUSE

TIME REMAINING 0:00

C-SPAN 45 YEARS

In a second vote, the House of Representatives voted overwhelmingly in favor of the Resolve Tibet Act today, June 12, 2024. It now goes to the White House for President Biden's signature.

Speaking on the House floor as he raised the bill, House Foreign Affairs Committee Chairman Michael McCaul (R-TX) spoke in support of the Resolve Tibet Act, saying, "the US strongly condemns all oppression and coercion of Tibetans." An original sponsor of the bill, McCaul added that it will help "put the people of Tibet in charge of their own future."

Representative Jim McGovern (D-MA), the author of the bill, welcomed another chance to spotlight it. He urged his colleagues to pass the Resolve Tibet Act and said that with this bill, "we hope to restart dialogue between Tibet and China."

Representative Bill Keating (D-MA) rose to speak in favor as well, saying the bill calls out Beijing's "oppressive tactics and relentless disinformation campaign" about Tibet.

"This latest indication of American support of Tibet is a source of hope and encouragement to the Tibetan people, who have been nonviolently struggling against the Chinese government for more than six decades for human rights and democratic freedoms," International Campaign for Tibet (ICT) President Tencho Gyatso said as voting concluded.

She added: "I thank the main sponsors of the bill – Representative Jim McGovern, Chairman Michael McCaul, Senator Jeff Merkley, and Senator Todd Young – for their leadership. The Resolve Tibet Act is a strong message to China that the Tibet issue has to be resolved through negotiation instead of an assault on Tibet's unique and ancient civilization."

Previously passed by [the House in February](#) and the [Senate in May](#), the Resolve Tibet Act emerged from the two legislative bodies with minor wording differences that necessitated a return to the House floor. It passed again today with 391 votes in favor.

The next and final step is for President Biden to sign the bill. This should happen within the next two weeks, turning the Resolve Tibet Act into law.

The Resolve Tibet Act will strengthen US efforts to push the Chinese government to resolve the longstanding Tibet-China dispute through dialogue with Tibetan leaders and arm the State Department's Special Coordinator for Tibet office with more tools to combat the CCP's disinformation on Tibet.



What the bill does

The Promoting a Resolution to the Tibet-China Dispute Act states that it is US policy that the dispute between Tibet and China remains unresolved in accordance with international law.

The legislation also:

- Empowers the Special Coordinator for Tibet to actively and directly counter disinformation about Tibet from the Chinese government and Communist Party, including working to ensure that US government statements and documents counter disinformation about Tibet.
- Rejects as “inaccurate” China’s false claims that Tibet has been part of China since “ancient times.”
- Promotes substantive dialogue without preconditions between the Chinese government and the Dalai Lama or his representatives or the democratically elected leaders of the Tibetan community. The US could also explore activities to improve prospects for dialogue leading to a negotiated agreement on Tibet.
- Affirms the State Department ‘s responsibility to coordinate with other governments in multilateral efforts toward the goal of a negotiated agreement on Tibet.
- Encourages China’s government to address the aspirations of the Tibetan people regarding their distinct historical, cultural, religious and linguistic identity.

अमेरिकी सांसदों का एक समूह तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात करने के लिए मंगलवार को भारत पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द ही एक विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे जिसका उद्देश्य तिब्बत विवाद को सुलझाने के लिए चीन पर दबाव डालना है।

विधेयक का उद्देश्य तिब्बती नेताओं के साथ वार्ता करने के लिए बीजिंग पर दबाव डालना है, जो 2010 से रुकी हुई है, ताकि तिब्बत पर समझौता हो सके और चीन को तिब्बती लोगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई पहचान की आकांक्षाओं को संबोधित करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

यह यात्रा, ऐसे समय में बीजिंग को नाराज कर सकती है जब अमेरिका और चीन तनावपूर्ण संबंधों को स्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। यह यात्रा, दलाई लामा द्वारा चिकित्सा उपचार के लिए नियोजित अमेरिका यात्रा से कुछ दिन पहले हो रही है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इस दौरान उनकी कोई यात्रा होगी या नहीं।

Dharamshala: Tibetan Parliament in exile welcomes US lawmakers







US-China relations

+ FOLLOW

Get more with myNEWS

A personalised news feed of stories that matter to you

Learn more ->

China / Diplomacy

China warns US over lawmakers' India trip to meet Dalai Lama, including Nancy Pelosi

- US should 'have no contact with the Dalai group in any form, and stop sending the wrong signal to the world': Chinese Foreign Ministry

Listen to this article



Khushboo Razdan in Washington

+ FOLLOW

Published: 3:30am, 19 Jun 2024

Why you can trust SCMP

TOP PICKS

Listen





Spokesperson发言人办公室

@MFA_China



The US needs to see the true nature of the Dalai group—who are anti-China and harbor a separatist agenda—and honor the commitments the US has made to China on Xizang. The US must not have any contact with the group and stop sending the wrong message to the world.



5:52 PM · Jun 18, 2024 · 4,495 Views



Global Times ✓

@globaltimesnews

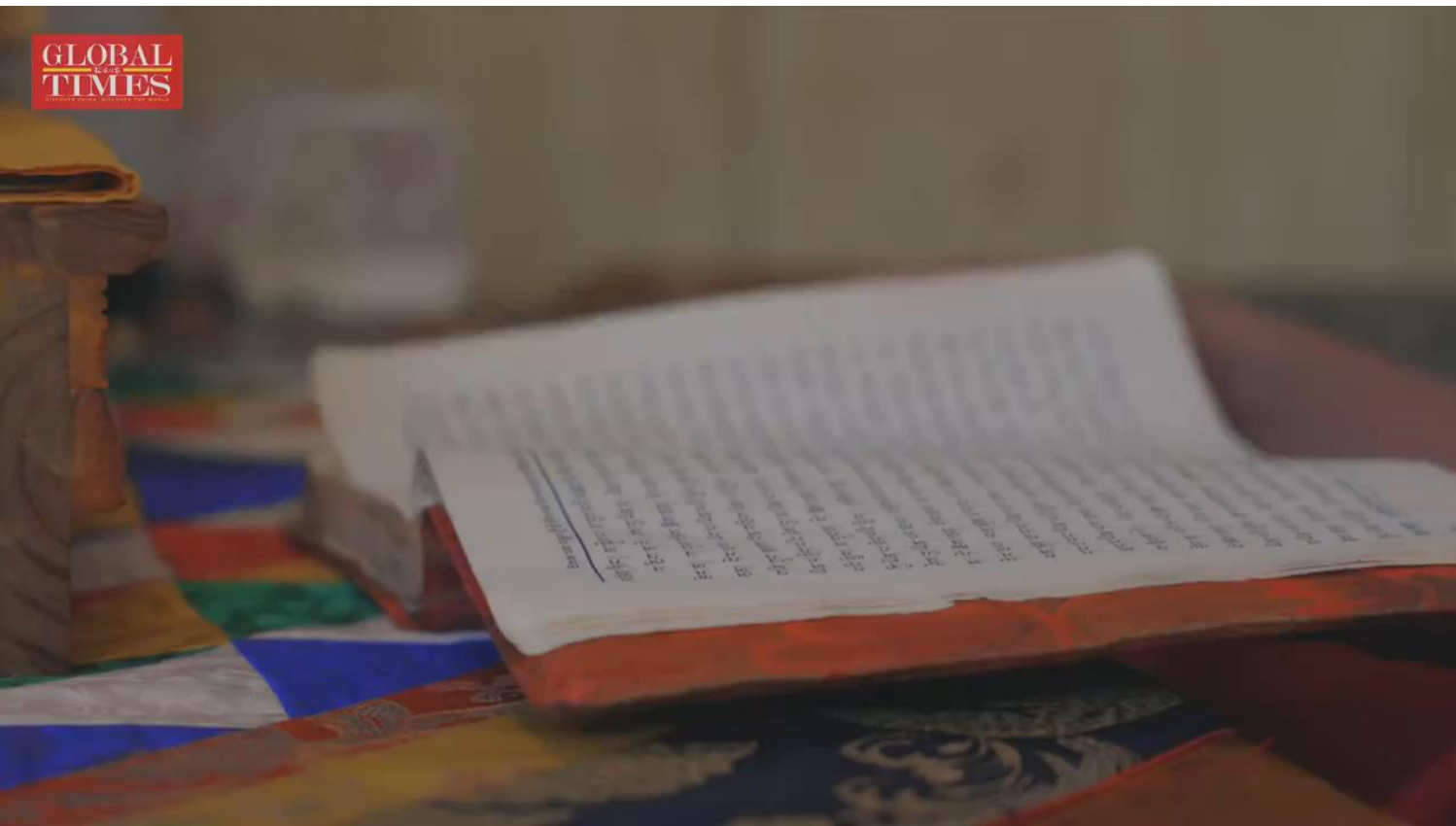


[#China](#) is seriously concerned about the reports on [#US](#) lawmakers meeting with the 14th Dalai Lama and urges the US side to fully understand the nature of the Dalai clique's anti-China separatist behavior, abide by its commitments on Xizang-related issues, refrain from any form of contact with him, and stop sending out wrong messages to the outside world: Chinese FM.



2:30 PM · Jun 18, 2024 · 30.4K Views

What does the campus life of young Living [#Buddhas](#) in China's [#Xizang](#) look like? Learning Buddhism, studying Chinese language and Western philosophy such as Schopenhauer, discussing [#KobeBryant](#) and [#StephenCurry](#) in English class and practicing Adobe InDesign in computer class.



 = Actual Chinese territory





Xinjiang

Tibet

Inner Mongolia

1

Guangxi

1. Ningxia



South Mongolia: Mongolian Territory
 British Weihaiwei: British Territory
 German Kiaotschou: German Territory

QTCG 青海藏漢政府
 A country ruled by Ma's Army
 Capital: Xi'ning
 President: Ma Haiyan



Qing Liangguang 清兩廣道
 A country in South China ruled by the former Gui Clique, Also recognize itself as a part of Later Qing
 Capital: Guangzhou
 Viceroy: Lu Rongting



Manchukuo 滿州国
 a puppet state of the Empire of Japan in Northeast China
 Capital: Hsinking
 Emperor: Puyi



Mt. JG CG 井岡山共府
 a country ruled by the Chinese Communist Party
 Capital: Mt. Jingsang
 President: Mao Zedong



Korean Empire 大韓帝國
 a puppet state of the Empire of Japan in Korea
 Capital: Hanseong
 Emperor: Sunjong



Gansu CA 甘肅紅軍
 a country ruled by Gansu Communist Army
 Capital: Lanzhou
 President : Lin Yuying



Later Qing 後清
 A country in Beijing ruled by the former Qing government
 Capital: Peiping
 Emperor: Pu Giye



ETTU 東西聯邦
 A federal state established by E. Turkestanist and Tibetan
 Capital: Lhasa
 President: 13th Dalai-Lama



ECNG 華東國府
 A party-state ruled by Kuomintang
 Capital: Nanjing
 President: Sun Yat-Sen



Later Shu 後蜀
 An empire ruled by Yunnan Clique
 Capital: Chengdu
 Emperor: Tang Jirao





Spokesperson of Chinese Embassy in India 


@ChinaSpox_India

Since [@thetribunehd](#) [@ajaynewsman](#) is interested in the reincarnation of the [#DalaiLama](#), let me make it clear. Reincarnation of living Buddhas, as a unique institution of inheritance in Tibetan Buddhism, comes with a set range of rituals and conventions. The Chinese government implements the policy of freedom of religious belief. The reincarnation system is respected and protected by such legal instruments as Regulations on Religious Affairs and Measures on the Management of the Reincarnation of Living Buddhas. The institution of reincarnation of the Dalai Lama has been in existence for several hundred years. The 14th Dalai Lama himself was found and recognized following religious rituals and historical conventions, and his succession was approved by the then central government. Therefore, reincarnation of living Buddhas including the Dalai Lama must comply with Chinese laws and regulations and follow religious rituals and historical conventions.

Last edited 1:31 PM · Jun 18, 2024 · **1,889** Views



Reincarnation

Religious belief 



Reincarnation, also known as rebirth or transmigration, is the philosophical or religious concept that the non-physical essence of a living being begins a new life in a different physical form or body after biological death. [Wikipedia](#)



पुनर्जन्म एक भारतीय सिद्धांत है जिसमें जीवात्मा के जन्म और मृत्यु के बाद पुनर्जन्म की मान्यता को स्थापित किया गया है। विश्व के सब से प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद से लेकर वेद, दर्शनशास्त्र, पुराण, गीता, योग आदि ग्रंथों में पूर्वजन्म की मान्यता का प्रतिपादन किया गया है। [विकिपीडिया](#)



Spokesperson of Chinese Embassy in India 

@ChinaSpox_India



It's known by all that the 14th [#DalaiLama](#) is not a pure religious figure, but a political exile engaged in anti-China separatist activities under the cloak of religion. We urge the US side to fully recognize the anti-China separatist nature of the Dalai group, honor the commitments the US has made to China on issues related to Xizang, stop sending the wrong signal to the world.

Xizang has always been part of China since ancient times. Xizang's affairs are purely China's domestic affairs and no external interference will ever be allowed. No one and no force should ever attempt to destabilize Xizang to contain and suppress China. Such attempts will never succeed.

We urge the US side to adhere to its commitments of recognizing Xizang as part of China and not supporting "Xizang independence." China will take resolute measures to firmly defend its sovereignty, security and development interests. [@SpeakerPelosi](#) [@RepMcCaul](#)

7:52 PM · Jun 18, 2024 · **603** Views





NCERT



FOUNDATION BATCH

BILINGUAL LIVE CLASSES

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER BATCH START REGISTER START

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





NCERT

FOUNDATION BATCH

**OFFER
FEE
4999 RS**

**LIMITED OFFER
REGISTRATION START**



1. SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2. SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4. SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5. ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6. UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE



FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR



ELECTION 2024











WHY IS THE SPEAKER POST

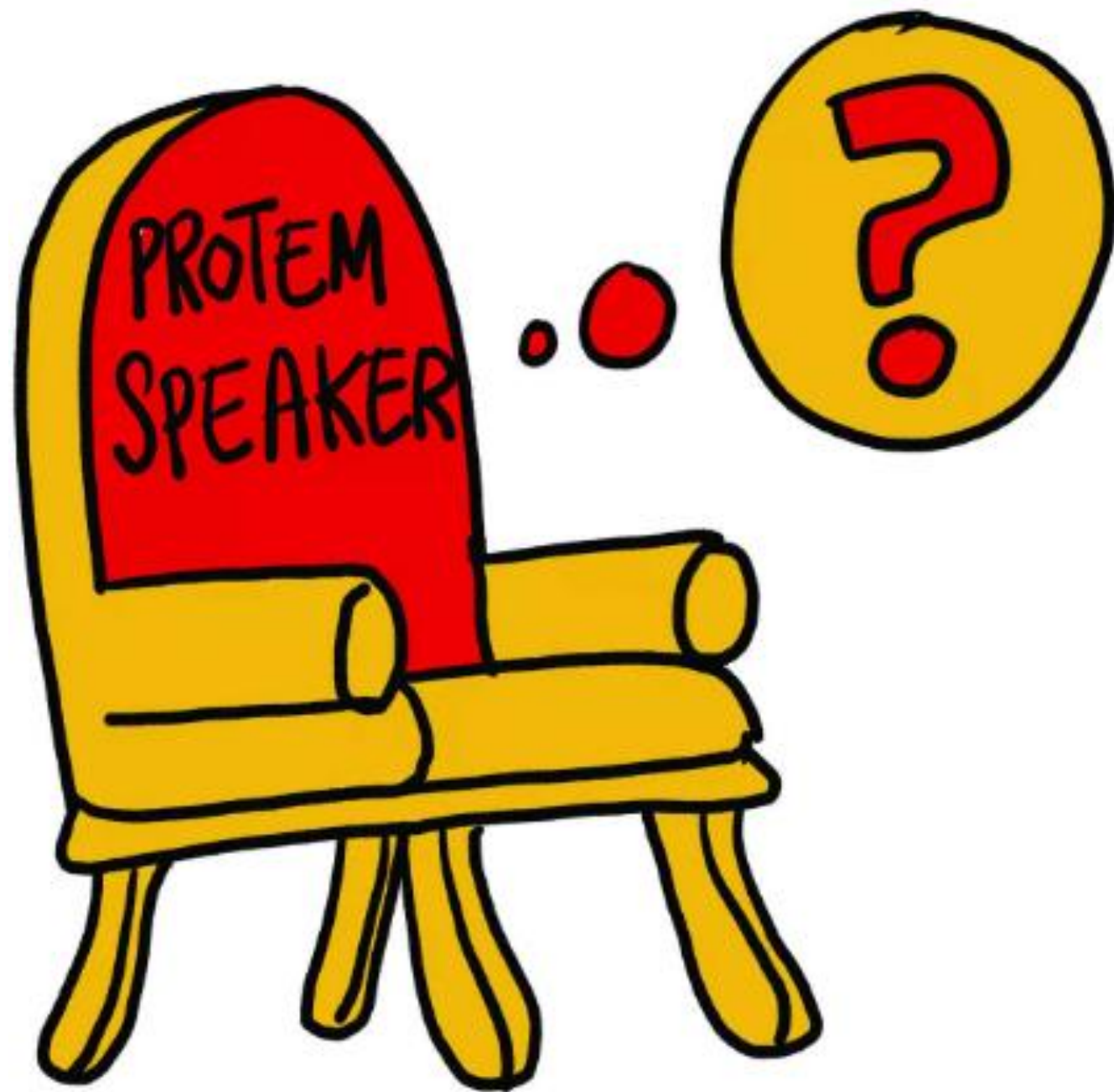
CRUCIAL FOR TDP & JD(U)?



BREAKING NEWS

**NDA SEALS DEAL ON
PARLIAMENT SPEAKER
POSITION**

**TIMES
NOW**






☰ Top stories :


Lok Sabha to elect new Speaker in June



 The Indian Express

Who is the pro-tem Speaker of Lok Sabha and how is an MP chosen for the role? ✓

11 hours ago

 Hindustan Times

Navigating the Transition: The Role of Speaker Pro-Tem in the 18th Lok Sabh...




18 hours ago

 Firstpost

Congress' K Suresh to be Speaker pro-tem: Why is post important? ✓

10 hours ago




 Onmanorama

Kodikunnil Suresh to be Protem Speaker as Opposition pushes for...



1 day ago

 Mathrubhumi English

Kodikunnil set to lead as pro-tem speaker; LS Speaker chosen by...



1 day ago





बीजेपी ने स्पीकर पद के लिए हूँड लिया TDP का तोड़

विपक्ष हैरान..



by Ankit Avasthi Sir

बीजेपी ने स्पीकर पद के लिए हूँड लिया TDP का तोड़...विपक्ष हैरान..by Ankit...

2.1M views • 6 days ago

Who Will Be New Lok Sabha Speaker? BJP, Allies' Big Meet Today To Discuss

New Lok Sabha speaker: There are indications the BJP wants to name a key leader from Andhra Pradesh and Odisha - states it and its ally, the TDP swept - as the Lok Sabha Speaker as a 'thank you' to the respective voters.

India News | Written by Chandrashekar Srinivasan | Updated: June 18, 2024 5:37 pm IST

TRENDING

NDTV

How Gym Affair Led Woman To Plot Husband's Murder - And How She Was Caught

NDTV

PM Modi Re-Elected, Canada Wants To Engage On "Very Serious Issues"

NDTV

Rajya Sabha MP's Daughter Runs BMW



केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार (18 जून) को अपने दिल्ली वाले घर पर NDA के सीनियर लीडर्स के साथ मीटिंग की। इसमें 24 जून से शुरू हो रहे संसद के पहले सत्र की रणनीति पर चर्चा हुई। इस सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले 5 साल के लिए NDA सरकार के दृष्टिकोण को बताएंगी। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव, पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान, किरन रिजिजू, अन्नपूर्णा देवी, राजीव रंजन सिंह ललन और चिराग पासवान शामिल हुए।

एजेंसी के मुताबिक, बैठक में रक्षा मंत्री ने 27 जून को होने वाली संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए मंत्रियों से सुझाव मांगे हैं। इसके साथ ही बैठक में लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) और उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) पद के लिए संभावित उम्मीदवारों पर भी चर्चा हुई।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जब सदस्य शपथ लेंगे और फिर 26 जून को अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। दोनों सदन 28 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2-3 जुलाई को बहस का जवाब देंगे।



Inaugural session of 18th Lok Sabha to start on June 24

280 MPs in the new Lok Sabha are first-timers while 216 MPs from the 17th Lok Sabha have been re-elected to the House

Updated - June 12, 2024 10:14 pm IST Published - June 12, 2024 10:26 am IST - New Delhi

THE HINDU BUREAU




READ LATER PRINT



☰ Top stories :


Lok Sabha to elect new Speaker in June



 The Indian Express

Who is the pro-tem Speaker of Lok Sabha and how is an MP chosen for the role? ✓

11 hours ago

 Hindustan Times

Navigating the Transition: The Role of Speaker Pro-Tem in the 18th Lok Sabh...




18 hours ago

 Firstpost

Congress' K Suresh to be Speaker pro-tem: Why is post important? ✓

10 hours ago



 Onmanorama

Kodikunnil Suresh to be Protem Speaker as Opposition pushes for...

1 day ago



 Mathrubhumi English

Kodikunnil set to lead as pro-tem speaker; LS Speaker chosen by...

1 day ago



The 18th Lok Sabha will hold its first session from June 24 to July 3, during which the new Speaker of the House will be elected. Speculations are rife about who will assume the post, given the strong showing of NDA coalition parties in the recent Lok Sabha elections. Until this happens, a pro-tem Speaker will be chosen to swear in the new Members of Parliament.

According to a PTI report, Prime Minister Narendra Modi will move the motion for election of the Speaker in the Lok Sabha on June 26. Meanwhile, Congress leader Kodikunnil Suresh, as the seniormost member of the Lok Sabha, is expected to be appointed as pro-tem Speaker.

भाजपा के वीरेंद्र कुमार और कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश ऐसे दो सदस्य हैं, जो सबसे ज्यादा सातवीं बार चुने गए हैं। वीरेंद्र कुमार कैबिनेट में शामिल हैं। लिहाजा कांग्रेस के सुरेश प्रोटेम स्पीकर हो सकते हैं।

प्रोटेम स्पीकर सांसदों की शपथ करवाने के साथ ही स्पीकर का चुनाव करवाते हैं। स्पीकर का चुनाव साधारण बहुमत से होता है। पिछली लोकसभा में लोकसभा उपाध्यक्ष का पद खाली ही रहा था। इस बार यह पद भी NDA के किसी घटक दल को दिया जा सकता है।

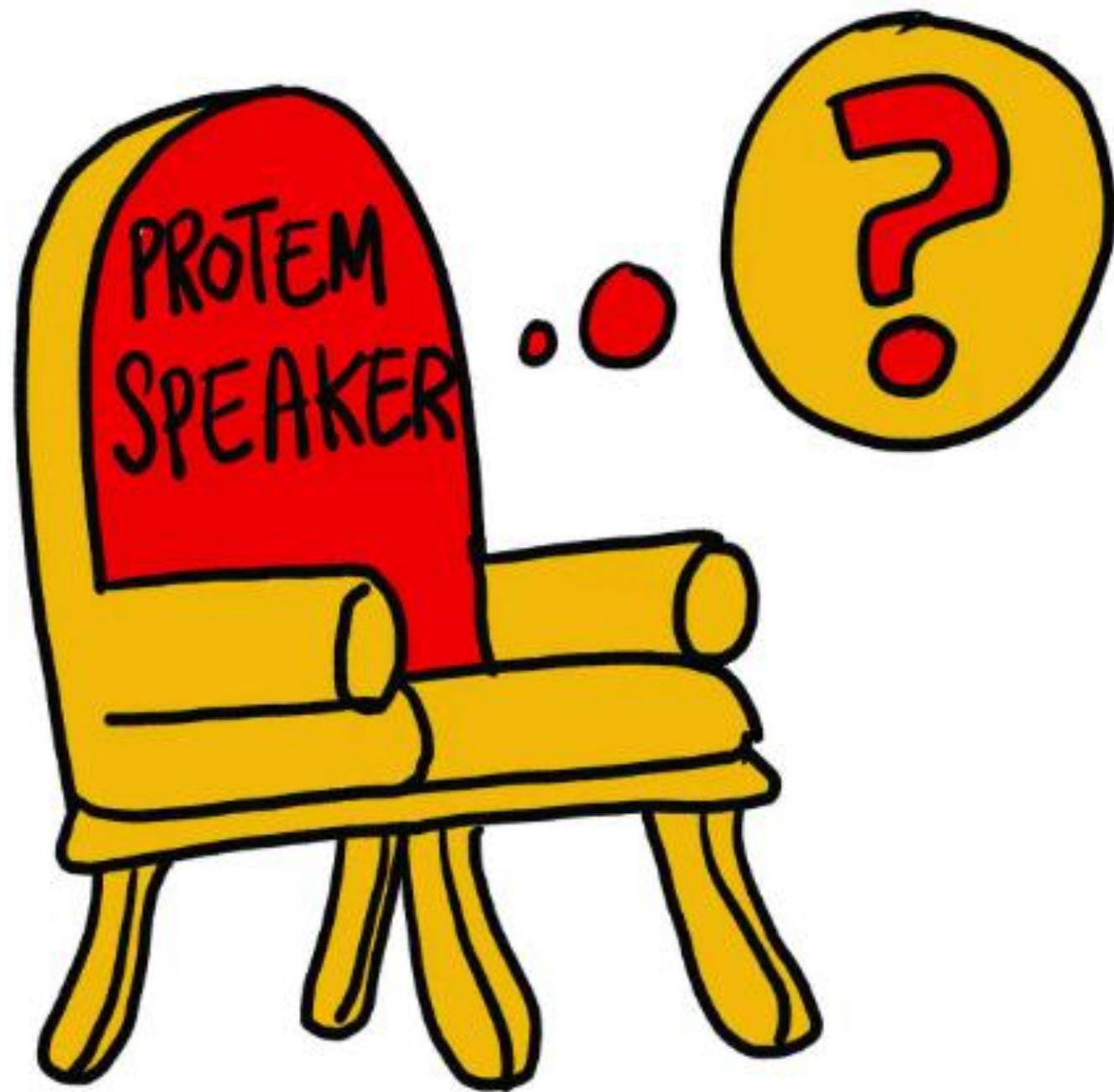


कौन हैं के सुरेश?

कोडिकुन्निल सुरेश यानी के सुरेश केरल की मवेलिकारा लोकसभा सीट से सांसद हैं। साल **1989** से उनका इस सीट पर कब्जा है। वे अबतक 7 बार सांसद बन चुके हैं। साथ ही के सुरेश कांग्रेस की सरकार में 2012 से 2014 तक राज्य मंत्री थे। साल 2018 में उन्हें केरल कांग्रेस कमेटी का कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया गया था। वे AICC के सचिव भी रह चुके हैं।

के सुरेश ने सीपीआई उम्मीदवार को दी शिकस्त

लोकसभा चुनाव 2024 में मवेलिकारा लोकसभा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कांग्रेस के के सुरेश ने सीपीआई के उम्मीदवार अरुण कुमार को **10868** वोटों के अंतर से हराया। सुरेश को 369516 वोट मिले, जबकि अरुण कुमार ने 358648 मत हासिल किए।



Who is the pro-tem Speaker of Lok Sabha and how is an MP chosen for the role?

Senior Congress leader K Suresh, as the seniormost member of the Lok Sabha, is expected to be appointed as pro-tem Speaker when the first session of the 18th Lok Sabha begins. What exactly is the post? We explain.

By: **Explained Desk**

New Delhi | Updated: June 18, 2024 23:05 IST



ADVERTISEMENT



Apple iPad

Know More

Available at an Effective Price of ₹31900*
ICICI Bank SBI card
*T&C Apply. INDIA STORE



प्रोटेम स्पीकर क्या होता है?

लोकसभा के पीठासीन अधिकारी होने के नाते अध्यक्ष को दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही से संबंधित कुछ प्रमुख कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 94 में इसको लेकर सभी प्रावधान स्पष्ट हैं कि जब भी लोकसभा भंग हो जाती है, तो अध्यक्ष विघटन के बाद लोक सभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक अपना पद रिक्त नहीं करेगा, और उस दौरान अहम भूमिका प्रोटेम स्पीकर की होगी।

नई लोकसभा में सदन के अध्यक्ष का चयन साधारण बहुमत से होता है। उसके चयन तक कुछ महत्वपूर्ण कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रो-टेम स्पीकर को चुना जाता है। 'प्रो-टेम' का मतलब 'अस्थायी' ही होता है।

संसदीय कार्यमंत्रालय में लिखित है नियम

संसदीय कार्य मंत्रालय के कामकाज पर आधिकारिक पुस्तिका में 'प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति और शपथ ग्रहण' के बारे में बताया गया है। इसके मुताबिक जब नई लोकसभा के गठन से पहले अध्यक्ष का पद रिक्त हो जाता है, तो "अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन सदन के एक सदस्य द्वारा किया जाएगा, जिसे राष्ट्रपति द्वारा अस्थायी अध्यक्ष के रूप में इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किया जाएगा।

नए सांसदों को शपथ दिलाना प्रोटेम स्पीकर का प्राथमिक कर्तव्य है। संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत, "सदन का प्रत्येक सदस्य अपना स्थान ग्रहण करने से पहले, राष्ट्रपति या उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष संविधान की तीसरी अनुसूची में इस उद्देश्य के लिए निर्धारित प्रारूप के अनुसार शपथ लेगा।

कैसे होता है प्रोटेम स्पीकर का चुनाव?

आम तौर पर लोकसभा के तीन अन्य निर्वाचित सदस्यों को भी राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और सांसद उनके समक्ष शपथ लेते हैं।

प्रावधानों के अनुसार सबसे वरिष्ठ सदस्यों को आम तौर पर प्रो टेम स्पीकर के तौर पर चुना जाता है। जैसे ही नई सरकार बनती है, भारत सरकार का विधायी विभाग लोकसभा के वरिष्ठतम सदस्यों की सूची तैयार करता है, फिर इसे संसदीय कार्य मंत्री या प्रधानमंत्री को भेजा जाता है ताकि एक सांसद को प्रो-टेम स्पीकर और तीन अन्य सदस्यों को शपथ ग्रहण के लिए चुना जा सके।



राष्ट्रपति दिलाते हैं शपथ

प्रधानमंत्री की स्वीकृति के बाद संसदीय कार्य मंत्री द्वारा इन सदस्यों की सहमति प्राप्त की जाती है। इसके बाद मंत्री राष्ट्रपति को एक नोट सौंपते हैं, जिसमें प्रो-टेम स्पीकर और अन्य तीन सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वीकृति मांगी जाती है। वे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख और समय भी तय करते हैं। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद मंत्रालय प्रोटेम स्पीकर और अन्य सदस्यों को उनकी नियुक्तियों के बारे में सूचित करता है, और अंत में राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति भवन में शपथ दिलाते हैं। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अन्य तीन सदस्यों को लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर शपथ दिलाते हैं।



Protem Speaker

FUNCTIONS:

- The Pro-tem Speaker presides over the **first session** of the Lok Sabha or state assembly.
- Administers the **oath of office** to newly elected Members of Parliament (MPs) or Members of Legislative Assembly (MLAs).
- Conducts the **floor test** if required.
- Facilitates the election of the **permanent Speaker**.
- The office of the Pro-tem Speaker is abolished once a new Speaker is elected.



- It is **not mentioned in constitution**.
- Although a temporary provision, Pro-tem speaker **have all powers of speaker**.
- Remember, the term “Pro-tem” is derived from Latin and means **“for the time being”** – signifying the temporary nature of this appointment.

Pro tem Speaker of Lok Sabha (2019)

Virendra Kumar



हिन्दी में

In English

Virendra Kumar, seven-time MP from Tikamgarh in Madhya Pradesh, has been chosen as the pro-tem speaker of the 17th Lok Sabha. Pro-tem is a Latin phrase which means “for the time being”.

BJP MP Virendra Kumar to be Pro-tem speaker of Lok Sabha

Updated - June 09, 2020 12:26 pm IST Published - June 11, 2019 02:50 pm IST - New Delhi

SPECIAL CORRESPONDENT



 READ LATER  PRINT



What about the Speaker's post?

The Speaker is arguably the most important person in the House. The Speaker, the custodian of the House, is chosen by the newly elected representatives.

The Speaker is responsible for running things in the House. He or she keeps order, can suspend proceedings in case of bad behaviour and also takes the final call when it comes to the rules and procedures.

Even more importantly, the Speaker can make or break a coalition government.

This is because he or she has the final voice on disputes related to disqualification of MPs and in a situation in which there is a no-confidence motion against the government.

Who was elected as the protem Speaker of the 17th Lok Sabha?

This question was previously asked in

**SSC CHSL Previous Paper 112 (Held On:
26 Oct 2020 Shift 2)**

1. Somnath Chatterjee

2. Om Birla

3. Virendra Kumar

4. Sumitra Mahajan

Question

Which of the following statements about the 'pro tem' Speaker of the House of Representatives in India is correct?

This question was previously asked in

**Dehli Police Constable Previous Paper
19 (Held on: 8 Dec 2020 Shift 3)**

1. The name for the post is recommended by the outgoing Speaker of the House of Representatives.
2. He is appointed by the President of India.
3. The name for the post is recommended by the Union Cabinet.
4. The name for the post is recommended by the Leader of Opposition in the House of Representatives.



NCERT



FOUNDATION BATCH

BILINGUAL LIVE CLASSES

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER BATCH START REGISTER START

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





NCERT

FOUNDATION BATCH

**OFFER
FEE
4999 RS**

**LIMITED OFFER
REGISTRATION START**



1. SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2. SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4. SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5. ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6. UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE



FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





UNION BUDGET





मोदी सरकार का अंतरिम बजट 2024 | जानिए आसान भाषा में | Analysis by Ankit Sir

623K views • Streamed 4 months ago

Apni Pathshala



मोदी सरकार का अंतरिम बजट 2024 | जानिए आसान भाषा में | Analysis by Ankit Sir

Apni Pathshala
1.94M subscribers

Subscribed

23K Share Download

INDIAN UNION BUDGET 2024



☰ Top stories :


Nirmala Sitharaman to hold pre-budget meeting with industry



 mint

Modi 3.0 Budget 2024 Expectations: What are Finance Minister Nirmala Sitharaman's...

1 day ago

 Business Standard

Union Budget 2024: Nirmala Sitharaman to hold pre-budget meeting on June 2...



1 day ago

 The Financial Express

Budget 2024 Date Live Updates: All eyes on Union Budget presentation; Will...

6 hours ago




 Hindustan Times

Nirmala Sitharaman likely to present Union Budget 2024-25 in July end, pre-budget...

19 hours ago



 The Financial Express

Budget 2024 Expectations: Logistics industry hope for consistency in growth poli...

1 day ago



Nirmala Sitharaman Budget 2024 Date Live Updates: With the Narendra Modi-led NDA government sworn in, India is awaiting the announcement of the **full Budget for FY25**. While there is no official announcement on the date of the presentation of the Union Budget, **media reports suggested that Finance Minister Nirmala Sitharaman will table the Budget in the third week of July**, with **the commencement of the Monsoon Session of the Parliament**. The Monsoon Session is set to begin on July 22, per sources. The session is likely to continue until August 9.

Meanwhile, the finance minister will hold a pre-Budget consultation with **industry** stakeholders on June 20. **This will be the first Union Budget under Modi 3.0 and Nirmala Sitharaman is all set to make history with this as she is on track to become the first finance minister to deliver seven consecutive Budget presentations, comprising six complete budgets and one interim, surpassing Morarji Desai's record in this regard.**

बजट का अर्थ क्या है?

“बजट” शब्द अंग्रेजी के शब्द **"bowgette"** से लिया गया है, जिसकी उत्पत्ति फ्रेंच शब्द **"bougette"** से हुई है। **"bougette"** शब्द भी **"Bouge"** से बना है जिसका अर्थ चमड़े का बैग होता है।

बजट, एक निश्चित अवधि में सरकार की आय और व्यय का लेखा-जोखा होता है अर्थात् बजट में यह बताया जाता है कि सरकार के पास रुपया कहां से आया और कहां गया? बजट भाषण में वित्त मंत्री पूरे देश को यह बताता है कि पिछले, वर्तमान और अगले वित्त वर्ष में उसको किन-किन श्रोतों से पैसा मिला/मिलेगा और किन-किन मदों पर खर्च किया जायेगा?



भारत का केंद्रीय बजट

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में भारत के केन्द्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, जो कि भारतीय गणराज्य का वार्षिक बजट होता है, जिसे प्रत्येक वर्ष फरवरी के पहले कार्य-दिवस को भारत के वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जाता है। 2017 से पहले इसे फरवरी के अंतिम कार्य-दिवस को पेश किया जाता था। भारत के वित्तीय वर्ष की शुरुआत, अर्थात 1 अप्रैल से इसे लागू करने से पहले बजट को सदन द्वारा पारित करना आवश्यक होता है।



पूर्ण बजट

केंद्रीय बजट केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाने वाला एक वार्षिक बजट है.

यूनियन बजट लोकसभा में पूरी चर्चा के बाद पारित किया जाता है.

केंद्रीय बजट में पिछले वित्त वर्ष के आय और व्यय का विवरण विस्तार से दिया जाता है.

केन्द्रीय बजट हमेशा एक पूरे किसी वित्त वर्ष के लिए पेश किया जाता है, जिसे पूर्ण बजट भी कहा जाता है.

अंतरिम बजट

अंतरिम बजट आम चुनावों से ठीक पहले पेश किया जाता है.

अंतरिम बजट को संसद में बिना किसी चर्चा के पेश किया जाता है. जिसे 'वोट ऑन अकाउंट' (Vote on the account) भी कहा जाता है.

अंतरिम बजट में पिछले वित्त वर्ष के आय और व्यय का एक सामान्य विवरण पेश किया जाता है. यह केवल सरकार की आवश्यक सेवाओं को जारी रखने के लिए पेश किया जाता है.

अंतरिम बजट में किसी भी प्रकार की नई योजनाओं की घोषणा नहीं की जाती है.

पूर्ण बजट

केन्द्रीय बजट में सरकार की ओर से कई नई योजनाओं की घोषणा भी की जाती है और इसके लिए फंड भी निर्धारित किये जाते हैं।

केन्द्रीय बजट के 2 अलग-अलग भाग होते हैं। उनमें से एक सरकार के खर्चों के बारे में होता है वहीं दूसरा भाग सरकार द्वारा विभिन्न उपायों के माध्यम से धन जुटाने की योजना पर आधारित होता है।

पूर्ण बजट संसद में बहुमत प्राप्त सरकार द्वारा पेश किया जाता है।

अंतरिम बजट

अंतरिम बजट चुनावी वर्ष के दौरान, वित्तीय वर्ष के लगभग 3 से 4 महीने की अवधि के खर्चों के लिए पेश किया जाता है।

अंतरिम बजट में सरकार के आय के स्रोतों की डिटेल्स नहीं दी जाती है। इसे अगली सरकार के गठन से पहले के लिए सरकार के जरूरी खर्चों के लिए पेश किया जाता है।

अंतरिम बजट अगले लोकसभा चुनाव और पिछली लोकसभा की समाप्ति के वर्ष पेश किया जाता है।

अंतरिम बजट vs पूर्ण बजट

— | क्या फर्क होता है | —

अंतरिम बजट



एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसमें नई सरकार के कार्यभार संभालने तक सरकारी आय और व्यय को कवर होता है।



चुनावी वर्ष में लगभग 2 से 4 महीने की अवधि के लिए होता है।

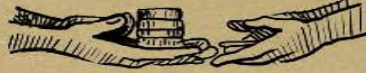
TAX

सरकार किसी बड़ी नीतिगत घोषणा और टैक्स में बड़े बदलाव से बचती है

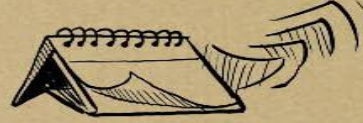


सरकार वोट ऑन अकाउंट में सिर्फ खर्च के लिए संसद से मंजूरी मांगती है।

पूर्ण बजट



एक व्यापक वित्तीय योजना है, जिसमें सरकारी आय, व्यय, आवंटन और नीतिगत घोषणाओं के सभी पहलू शामिल होते हैं।



पूरे वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल से 31 मार्च के लिए होता है।

TAX

सरकार नई नीतियां और बड़ी-बड़ी योजनाएं घोषित करती है



लोकसभा में विस्तृत चर्चा के बाद पारित होता है।

बजट



एक निश्चित अवधि में सरकार की आय और व्यय का लेखा-जोखा 'बजट' कहलाता है।

श्री आरके शनमुखम चेट्टी



आरके शनमुखम चेट्टी ने 26 नवंबर, 1947 को स्वतंत्र भारत का पहला केंद्रीय बजट पेश किया।

1947 से पहले

26 जनवरी 1950 को गणतंत्र की स्थापना के बाद पहला बजट 28 फरवरी 1950 को जॉन मथाई ने पेश किया था।



वर्ष 1955 तक बजट को अंग्रेजी भाषा में ही पेश किया जाता था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे अंग्रेजी और हिंदी दोनों में ही पेश करना शुरू कर दिया था।



श्री मोरारजी देसाई



देश में सबसे ज्यादा बार बजट (Budget) पेश करने का रिकॉर्ड मोरारजी देसाई के नाम है, मोरारजी देसाई ने कुल 10 बार (आठ सालाना बजट और दो अंतरिम) बजट पेश किए।

जेम्स विल्सन

वर्ष 1999 तक बजट भाषण फरवरी के अंतिम कार्यदिवस को शाम पांच बजे पेश किया जाता था, लेकिन यशवंत सिन्हा ने 1999 में इसे बदलकर सुबह 11 बजे कर दिया था।



श्री यशवंत सिन्हा

भारत का पहला बजट 7 अप्रैल, 1860 को घोषित किया गया था। ईस्ट इंडिया कंपनी के जेम्स विल्सन ने इसे ब्रिटिश क्राउन को प्रस्तुत किया।

श्री अरुण जेटली



अरुण जेटली ने 2017 में बजट भाषण एक फरवरी को पेश किया और तब से हर साल 1 फरवरी को बजट पेश किया जाने लगा। इससे पहले बजट फरवरी की आखिरी तारीख 28 या 29 फरवरी को पेश किया जाता था।

वर्ष 2017 से पहले तक रेल बजट और आम बजट अलग-अलग हुआ करते थे, लेकिन 2017 में रेल बजट को आम बजट में समाहित कर दिया गया। इसके बाद से हर साल 1 फरवरी को देश का एक ही आम बजट पेश किया जाता है।



श्री अरुण जेटली

श्रीमती निर्मला सीतारमण



कोविड-19 महामारी आने के बाद पेपरलेस बजट की शुरुआत हुई। वर्ष 2021-22 में पहली बार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 'पेपरलेस बजट' पेश किया गया।



Download Apni Pathshala Application

Follow for Preperation of All Competitive Exams

Ankit Avasthi Sir

FM Nirmala Sitharaman Budget 2024 Date and Time Live Updates: **FM Sitharaman to hold pre-budget consultations with state FMs**

Finance Minister Nirmala Sitharaman is expected to hold a series of consultations with the finance ministers of various states, sources told CNBC TV18. In addition to this, **the finance minister is also likely to hold pre-budget discussions with industry stakeholders on June 20.**

These meetings will be preceded by a consultation with Revenue Secretary Sanjay Malhotra on June 18.



आने वाले बजट को पेश करने के साथ ही निर्मला सीतारमण इतिहास बनाने को तैयार हैं। वह पहली ऐसी वित्त मंत्री होंगी जो लगातार 7 बजट पेश करेंगी। इससे पहले मोरारजी देसाई ने लगातार 6 पूर्ण और एक इंटरिम बजट पेश किया था।



जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्री भारतीय कंपनियों के साथ गुरुवार को बैठक कर सकती हैं। इसके अलावा किसान एसोसिएशन और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक शुक्रवार को हो सकती है। इसके अलावा सीतारमण की ओर से बजट पर राज्यों के लिए वित्त मंत्रियों के साथ बैठक शनिवार को नई दिल्ली में हो सकती है।

बजट से जुड़ा काफी सारा काम पूरा

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों की मदद से केंद्र सरकार 108 केंद्रीय वित्तपोषित योजनाएं चला रही है। इनका अनुमानित बजट वित्त वर्ष 2024-25 में 5.01 लाख करोड़ रुपये है, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 में 4.76 लाख करोड़ रुपये था। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कहा गया कि सरकार के 100 दिन के एजेंडे के तहत बजट से जुड़ा काफी सारा काम पूरा हो चुका है।

Total Expenditure: The government is estimated to spend **Rs 47,65,768 crore** in 2024-25. This is an increase of 6% over the revised estimate of 2023-24. Revenue expenditure is estimated to grow at 3.2% and capital expenditure at 16.9%.



PRSIIndia

<https://prsindia.org> > budgets > parliament > interim-unio... ⋮

[Interim Union Budget 2024-25 Analysis - PRS India](#) ✓

Rs 45,03,097 crore

 हिन्दी में

 In English

The Union Budget 2023-24 was presented on February 1, 2023 by the Finance Minister Ms. Nirmala Sitharaman. It proposes to spend **Rs 45,03,097 crore** in the financial year.



PRSIIndia

<https://prsindia.org> > budgets > parliament > union-budg... ⋮

[Union Budget 2023-24 : Analysis of Major Demands - PRS India](#) ✓

Single Nodal Agency (SNA):

Union Govt administers 108 Centrally Sponsored Schemes (CSS) through State and UT governments, with a budget of approximately Rs. 5.01 lakh crores for FY 2024-25 and Rs. 4.76 lakh crores for FY 2023-24.

Previously, it was challenging to ascertain the timeliness and amount of funds released to the implementing agencies under a CSS and to determine whether the funds were from the Centre or the State.

Under the SNA model, each State has to identify and designate a Single Nodal Agency (SNA) for every Centrally Sponsored Scheme (CSS).

State Governments are required to transfer the CSS funds received from the Centre and their corresponding share within a stipulated period to the single nodal bank account opened in a scheduled commercial bank.

The Single Nodal Agency then creates virtual spending limits for the down-the-line agencies to incur expenditures against the particular scheme, such as MGNREGA, PMAY, etc. The money remains in the single nodal account, with only limits assigned.

Money in a single nodal bank account also earns interest. Interest accrued in SNA bank accounts has resulted in savings of approximately Rs. 10,592 crores from 2021-22 to date.

Effective implementation of the SNA model has brought about greater efficiency in CSS fund utilization, tracking of funds, and pragmatic and just-in-time release of funds to the States, ultimately contributing to better cash management and savings for the Government.

The unspent balance parked in more than 15 lakh bank accounts of implementing agencies was consolidated into 4500 bank accounts of SNAs.

The SNA System also significantly reduced the possibility of fund diversion by the State or Implementing Agencies earmarked for a particular Centrally Sponsored Scheme.

SNA- SPARSH is also rolled out on a pilot basis, which further seeks to streamline the 'Just-in-time' fund flow to the end beneficiary from Centre and State Consolidated Funds through an integrated network of PFMS, State IFMIS and e-kuber of RBI.

Our Government, led by PM Sh. [@narendramodi](#) is committed to harnessing cutting-edge technology, enhancing transparency, and pursuing ongoing reforms to lay a strong foundation for a Viksit Bharat.

We will continue to maximize the value and impact of hard-earned taxpayer money, ensuring it is put to the best possible use for the benefit of all.

(5/5)

जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्री भारतीय कंपनियों के साथ गुरुवार को बैठक कर सकती हैं. इसके अलावा किसान एसोसिएशन और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक शुक्रवार को हो सकती है. इसके अलावा सीतारमण की ओर से बजट पर राज्यों के लिए वित्त मंत्रियों के साथ बैठक शनिवार को नई दिल्ली में हो सकती है.

बजट से जुड़ा काफी सारा काम पूरा

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों की मदद से केंद्र सरकार 108 केंद्रीय वित्तपोषित योजनाएं चला रही है. इनका अनुमानित बजट वित्त वर्ष 2024-25 में 5.01 लाख करोड़ रुपये है, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 में 4.76 लाख करोड़ रुपये था. वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कहा गया कि सरकार के 100 दिन के एजेंडे के तहत बजट से जुड़ा काफी सारा काम पूरा हो चुका है.

Provisional Estimates of Annual GDP for 2023-24 And Quarterly Estimates of GDP for Q4 of 2023-24

Real GDP has been estimated to grow by 8.2% in FY 2023-24 as compared to the growth rate of 7.0% in FY 2022-23

Real GVA has grown by 7.2% in 2023-24 over the growth rate of 6.7% in 2022-23

Real GVA and Real GDP have been estimated to grow by 6.3% and 7.8% respectively in Q4 of FY 2023-24

Posted On: 31 MAY 2024 5:30PM by PIB Delhi

The National Statistical Office (NSO), Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) is releasing in this Press Note, the Provisional Estimates (PE) of Annual Gross Domestic Product (GDP) for the Financial Year (FY) 2023-24 and Quarterly Estimates of GDP for the Fourth quarter (January-March) of 2023-24 along with its expenditure components both at Constant (2011-12) and Current Prices. Annual and quarterly estimates of Gross Value Added (GVA) at Basic Prices by kind of economic activity along with year on year percent changes, expenditure components of GDP and annual estimates of Gross/Net National Income and Per Capita Income for the years 2021-22, 2022-23 and 2023-24 at Constant and Current Prices are given in **Statements 1 to 8 of Annexure A**.

Key Highlights:

- Real GDP has been estimated to grow by 8.2% in FY 2023-24 as compared to the growth rate of 7.0% in FY 2022-23. Nominal GDP has witnessed a growth rate of 9.6% in FY 2023-24 over the growth rate of 14.2% in FY 2022-23.
- Real GVA has grown by 7.2% in 2023-24 over 6.7% in 2022-23. This GVA growth has been mainly due to significant growth of 9.9% in Manufacturing sector in 2023-24 over -2.2% in 2022-23 and growth of 7.1% in 2023-24 over 1.9% in 2022-23 for Mining & Quarrying sector.
- Real GVA and Real GDP have been estimated to grow by 6.3% and 7.8% respectively in Q4 of FY 2023-24. Growth rates in Nominal GVA and Nominal GDP for Q4 of FY 2023-24 have been estimated at 8.0% and 9.9% respectively.

I. Annual Estimates and Growth Rates

Real GDP or GDP at Constant Prices is estimated to attain a level of ₹173.82 lakh crore in the year 2023-24, against the First Revised Estimates (FRE) of GDP for the year 2022-23 of ₹160.71 lakh crore. The growth rate in Real GDP during 2023-24 is estimated at 8.2% as compared to 7.0% in 2022-23. Nominal GDP or GDP at Current Prices is estimated to attain a level of ₹295.36 lakh crore in the year 2023-24, against ₹269.50 lakh crore in 2022-23, showing a growth rate of 9.6%.

Real GVA is estimated at ₹158.74 lakh crore in the year 2023-24, against the FRE for the year 2022-23 of ₹148.05 lakh crore, registering a growth rate of 7.2% as compared to 6.7% in 2022-23. Nominal GVA is estimated to attain a level of ₹267.62 lakh crore during FY 2023-24, against ₹246.59 lakh crore in 2022-23, showing a growth rate of 8.5%.



भारत ने दर्ज की 8.2% की GDP वृद्धि दर...जानिए मायने..by Ankit Avasthi Sir

121K views • 2 weeks ago

Apni Pathshala

भारत ने दर्ज की 8.2% की GDP वृद्धि दर...जानिए मायने..by Ankit Avasthi Sir
#gdpofindia ...



एक्सट्रीम Poverty भारत से खत्म ! दुनिया से आगे भारत की GDP ग्रोथ रेट...by Ankit Avasthi Sir

551K views • Streamed 3 months ago

Apni Pathshala

एक्सट्रीम Poverty भारत से खत्म ! दुनिया से आगे भारत की GDP ग्रोथ रेट... by ...

[Home](#) • [Top Stories](#) • [World Bank raises GDP projection, says India to keep its fastest-growing ...](#)

[12/06/24](#) | [10:28 am](#) | [India's GDP growth forecast](#) | [India's GDP projection](#) | [World Bank](#)



World Bank Raises GDP Projection, Says India To Keep Its Fastest-Growing Economy Tag



Rating Agency Fitch Raises India's GDP Growth Forecast For 2024-25 To 7.2%

Fitch said in its global outlook report, "We expect the Indian economy to grow by a strong 7.2 per cent in FY25."

India News | Indo-Asian News Service | Updated: June 18, 2024 1:02 pm IST

TRENDING



How Gym Affair Led Woman To Plot Husband's Murder - And How She Was Caught



Rajya Sabha MP's Daughter Runs BMW Over Man Sleeping On Pavement, Gets Bail



Babar, 5 Others Won't Go To Pakistan After T20 WC Shock, They'll Go To...

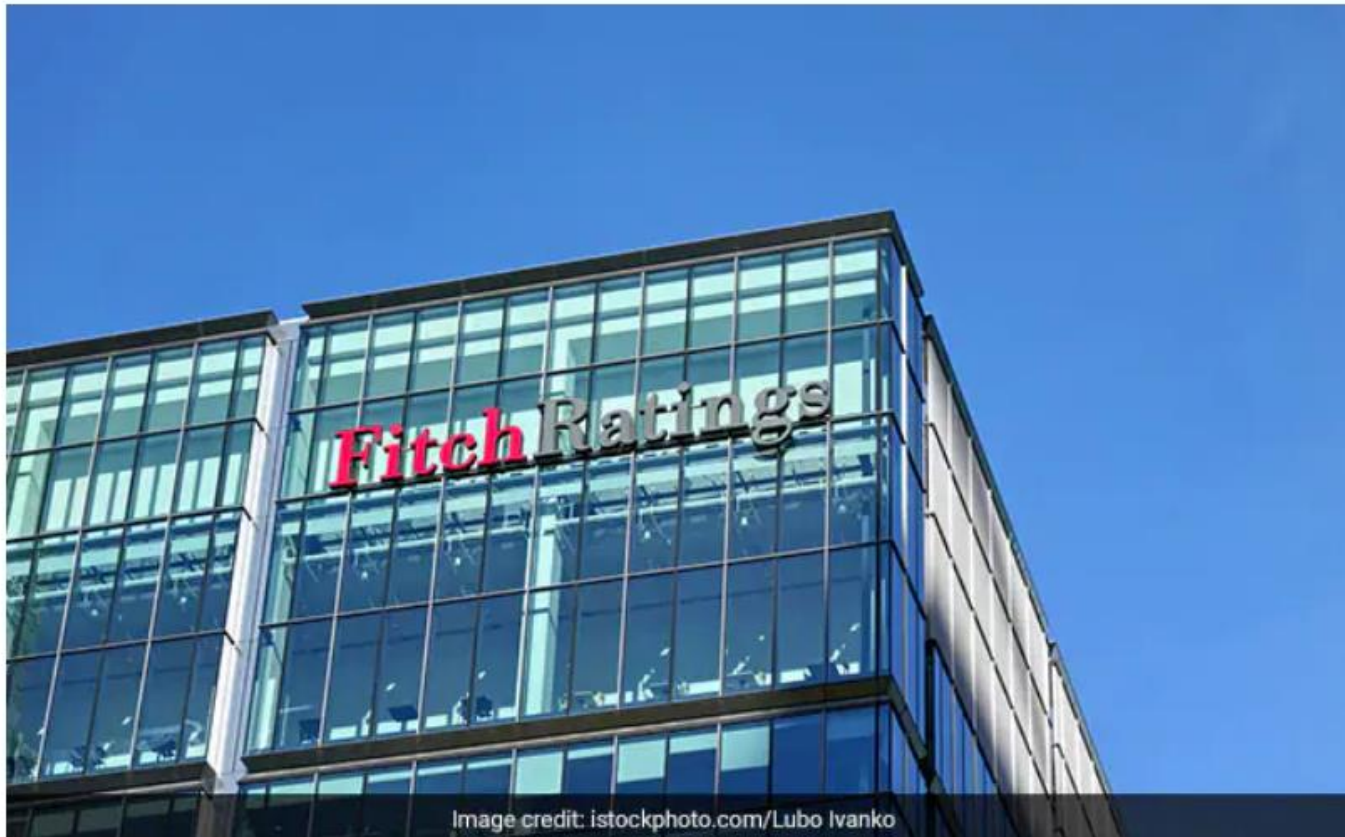


Image credit: istockphoto.com/Lubo Ivanko

'बजट में निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत जरूरी'

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि **सबसे निचले स्लैब के लोगों के लिए आयकर राहत पर विचार करने की आवश्यकता है।**

पुरी ने **भूमि, श्रम, बिजली और कृषि से संबंधित सभी सुधारों** को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति बनाने को संस्थागत मंच बनाने का भी सुझाव दिया। उद्योग मंडल ने कहा कि उसे नहीं लगता कि गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक बनेंगी। इसके बजाय उसका मानना है कि **भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन और पिछले 2 कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी।**

Union Budget 2024: **Income Tax Expectations**

1 - **One of the government sources** told *Reuters* that individuals whose earning is over Rs 15 lakh annually may see some tax relief up to a certain amount which is yet to be determined.

2 - The **second sources** said that there could be changes made to the new income tax regime introduced in 2020, where annual income up to Rs 15 lakh is taxed at rates between 5 per cent and 20 per cent, while earnings over Rs 15 lakh are taxed at 30 per cent.



3 - The second source further said that the personal tax rate jumps six-fold when an individual's income increases from Rs 3 lakh to Rs 15 lakh, which he described as **"quite steep."**

4 - As per the first source, **the government may also consider lowering personal tax rates for annual incomes of Rs 10 lakh.**

5 - The first source also informed that a new threshold is being discussed for income taxed at the highest rate of 30 per cent under the old tax regime.

6 - The second source told *Reuters* that **any loss of income to the government through tax cuts could be partially offset by increased consumption from this category of income earners.**

While staking a claim to form the National Democratic Alliance (NDA) ruled government earlier this month, **Prime Minister Narendra Modi had said his administration would focus on raising middle-class savings as well as improving the quality of their lives.**





NCERT



FOUNDATION BATCH

BILINGUAL LIVE CLASSES

OFFER FEE

4999 Rs



LIMITED OFFER

BATCH START

REGISTER START

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





NCERT

FOUNDATION BATCH

**OFFER
FEE
4999 RS**

**LIMITED OFFER
REGISTRATION START**



1. SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2. SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4. SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5. ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6. UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE



FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR



Solid Waste Management



What is SWM cess and why is it levied on waste generators?

How has the SWM cess fared so far and why has it hit the headlines suddenly? How has Bengaluru been handling its solid waste management and what is about to change going forward?

Updated - June 17, 2024 05:10 pm IST Published - June 16, 2024 10:42 pm IST

PUSHKARA S.V.



खुले में शौच के उन्मूलन के साथ-साथ, बहुप्रचारित स्वच्छ भारत अभियान सर्वांगीण स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर भी जोर देता है।

शहरी स्थानीय निकायों के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) एक महंगी चुनौती है। शहरी क्षेत्रों में नगर पालिकाओं को कई मुद्दों के कारण ठोस कचरे का उपचार करना मुश्किल लगता है, जिनमें अपशिष्ट उपचार बुनियादी ढांचे की अनुपलब्धता से लेकर आवश्यक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) तकनीकों को लागू करने के लिए पर्याप्त धन की कमी शामिल है।

स्वच्छता एक सामूहिक जिम्मेदारी है और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) की सुविधा के लिए शहरी निवासियों पर शुल्क लगाना एक ऐसी प्रथा है जिसे धीरे-धीरे नागरिक निकायों के बीच समर्थन मिल रहा है। सवाल यह है कि लंबे समय में ऐसा कदम कितना प्रभावी होगा?

What is Solid Waste Management?

Solid-waste management is the collecting, treating, and disposing of solid material that is discarded because it has served its purpose or is no longer useful. eg of solid waste are plastic, paper, metals, glass, wood, food scraps wastes etc



What is Solid Waste Management?

Solid waste is a non-liquid, non-soluble material ranging from municipal garbage to industrial waste that sometimes contains complex and hazardous substances. It includes domestic waste, sanitary waste, commercial waste, institutional waste, catering and market waste, bio-medical waste, and e-waste.

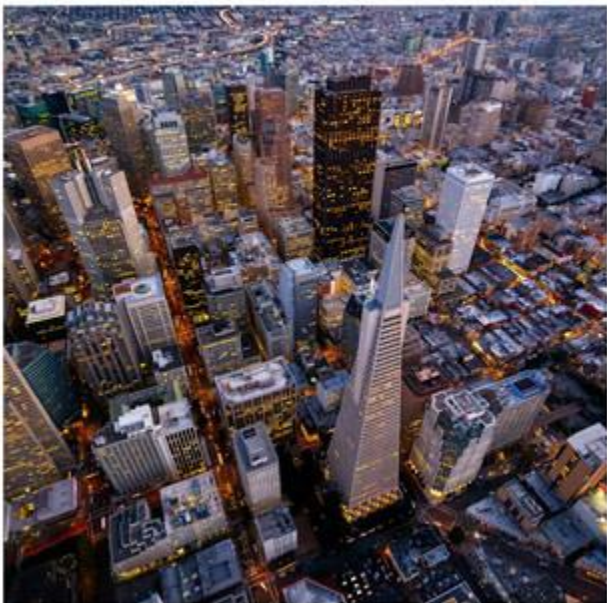
Several tonnes of garbage are left uncollected on the streets of most developing cities each day. It acts as a breeding ground for pests that spread disease, obstruct the sewers, and cause other infrastructural issues.

India produces 277.1 million tonnes of solid waste every year, which is likely to touch 387.8 million tonnes in 2030 and 543.3 million tonnes by 2050 due to 'rapid urbanisation, population growth, and economic development.



Urbanization

the shift from rural to urban living and the increased concentration of the human population in densely populated cities



METHODS OF WASTE DISPOSAL



Landfill



Incineration



Waste Compaction



Biogas Generation



Composting



Vermicomposting

Types of Solid Waste Management

Landfill: It involves burying the waste in vacant locations around the city. The dumping site should be covered with soil to prevent contamination.

Benefits: A sanitary disposal method if managed effectively.

Limitations: A reasonably large area is required.



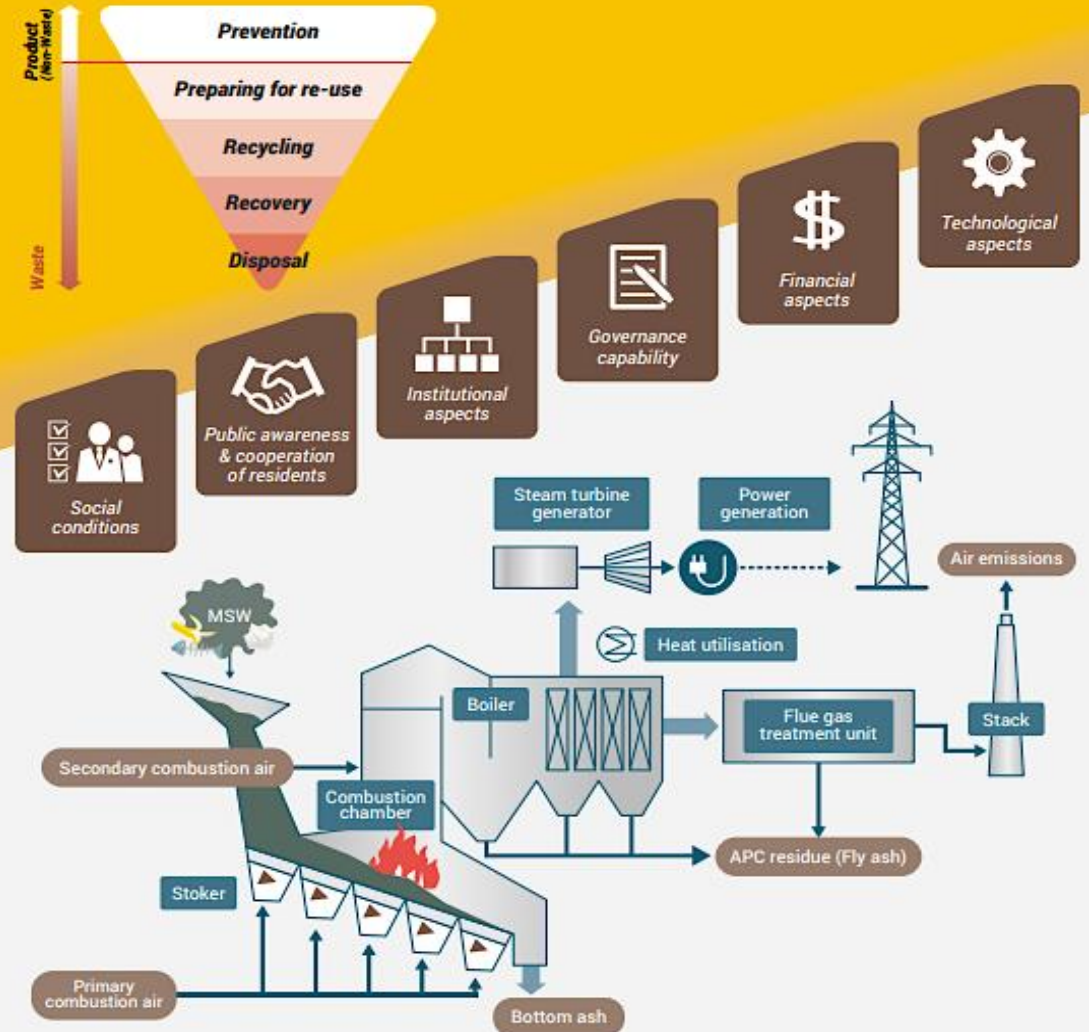
LANDFILLS IN INDIA

Incineration: It is the controlled oxidation (burning/thermal treatment) of mostly organic compounds at high temperatures to produce thermal energy, CO₂, and water.

Benefits: Burning significantly reduces the volume of combustible waste.

Limitations: Smoke and fire hazards may exist.

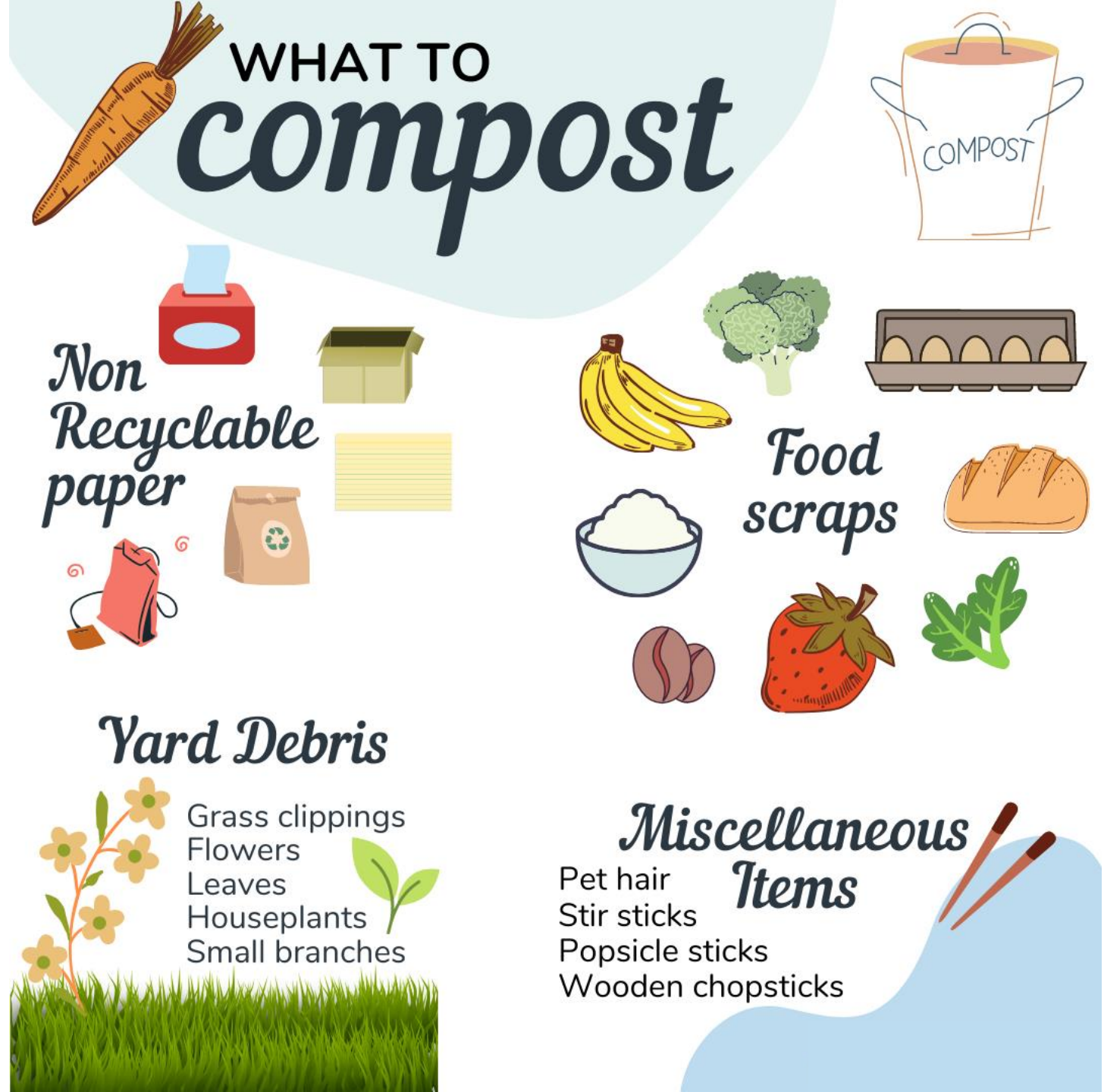
Waste-to-Energy Incineration



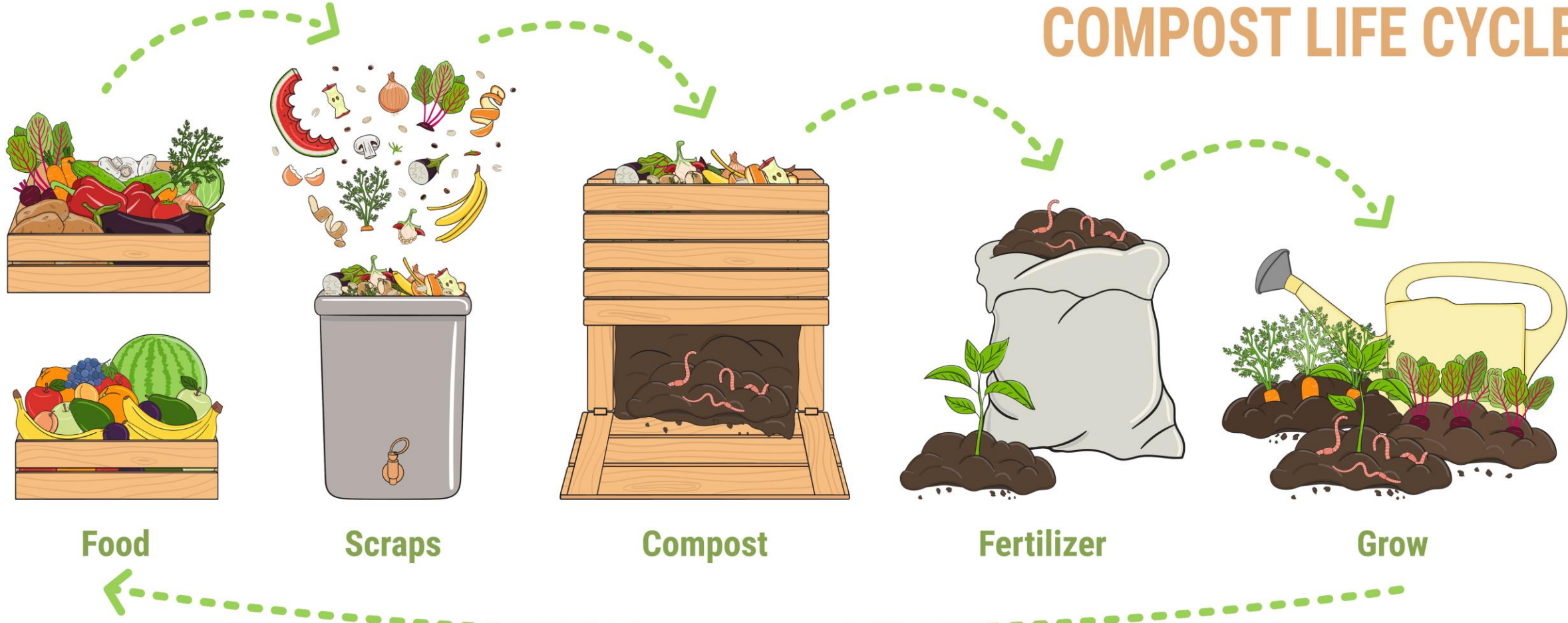
Composting: It is a natural process of recycling organic matter like leaves and food scraps into beneficial fertilizers that can benefit both soil and plants.

Benefits: It is beneficial for crops and is an environment-friendly method.

Limitations: Requires high-skilled labour for large-scale operation.



COMPOST LIFE CYCLE



Food

Scraps

Compost

Fertilizer

Grow

Recycling: It is a process of converting waste material into new material. Examples: wood recycling, paper recycling, and glass recycling.

Benefits: It is environment-friendly.

Limitations: It is expensive to set up and not reliable in case of an emergency.

Plastic Products Recycling Process



Vermicomposting:

Vermicomposting is a bio-conversion technique that is commonly used to handle solid waste. Earthworms feed on organic waste to reproduce and multiply in number, vermicompost, and vermiwash as products in this bio-conversion process.

Benefits: It reduces the need for chemical fertilizers and enhances plant growth.

Limitations: It is time-consuming, cost-ineffective, and requires extra care.



What To Compost



Vegetables



Eggshells



Fruits



Nut shells



Coffee, tea



Paper scraps and cardboard



Houseplants



Yard trimmings



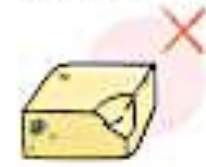
What Not To Compost



Citrus, onions



Dairy products



Fats and oils



Produce stickers



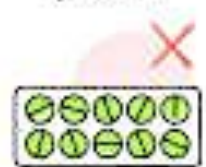
Eggs, meat or fish bones and scraps



Diseased plants



Animal feces

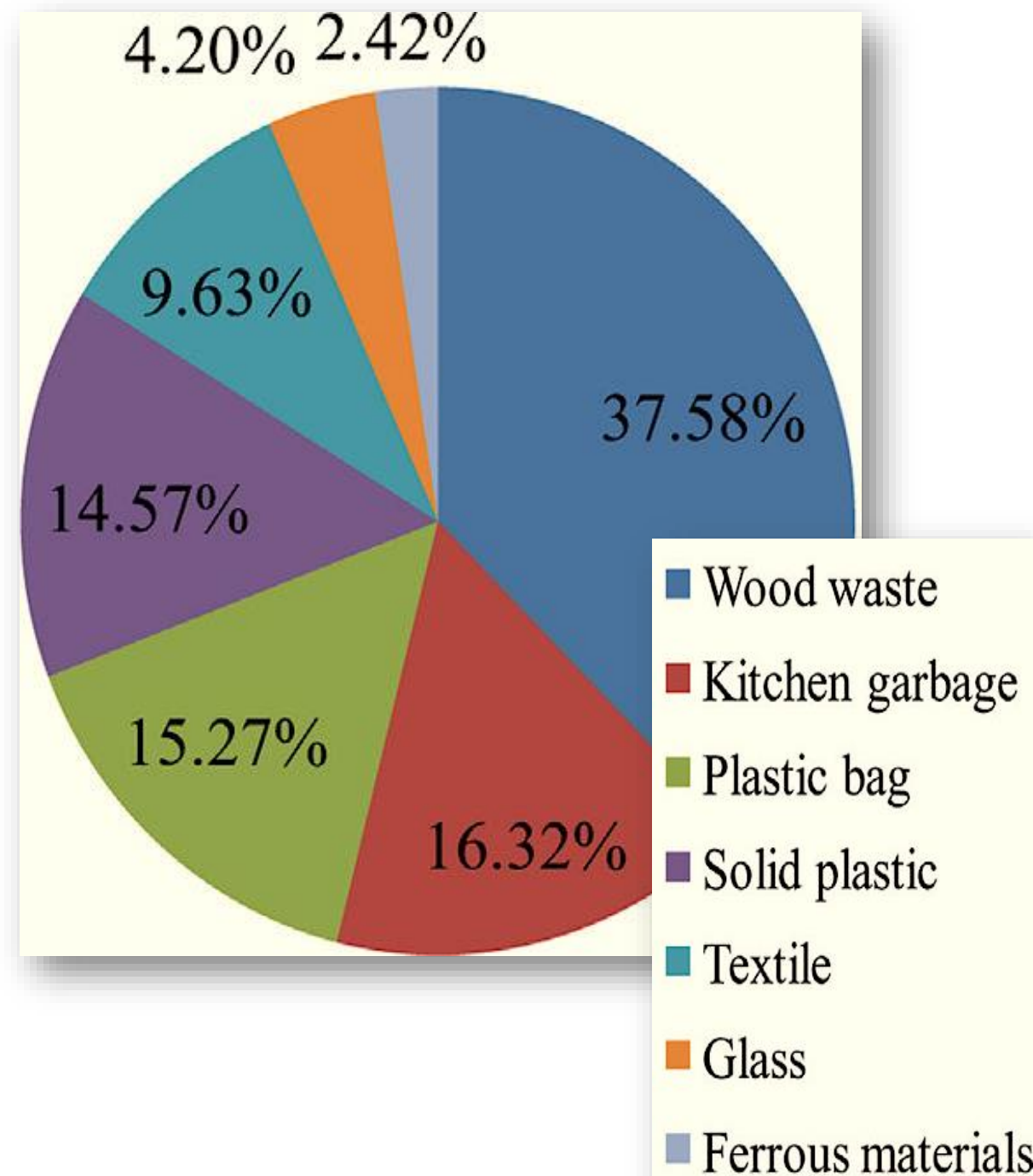


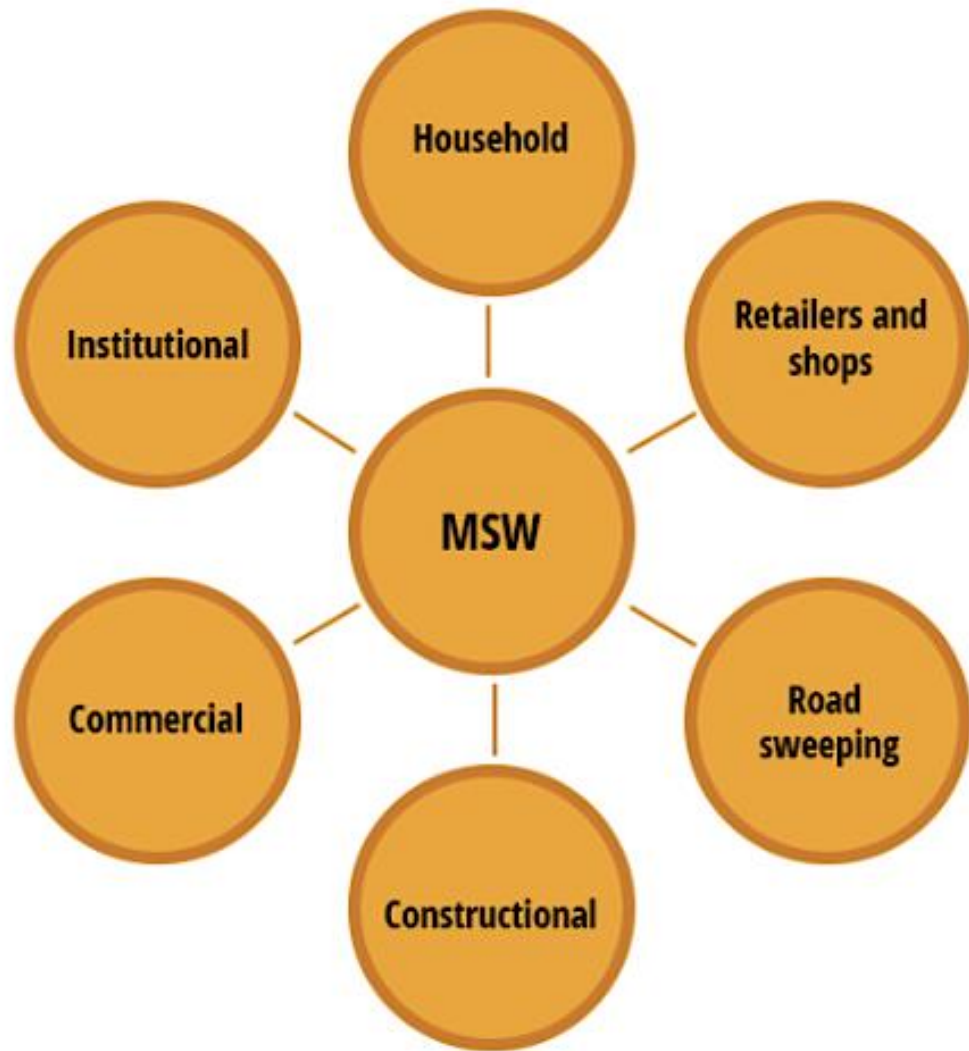
Medication

Municipal Solid Waste

Every day goods such as product packaging, yard trimmings, furniture, clothing, bottles, cans, food, newspapers, appliances, electronics, and batteries make up the municipal solid waste.

With rising urbanisation and change in lifestyle, the amount of municipal waste is also rising.





Different Sources of Municipal Solid Waste



Municipal Solid Waste is roughly classified into five categories:

- 1. Recyclable Material:** Glasses, bottles, cans, paper, metals, etc.
- 2. Composite Wastes:** Tetra packs, toys.
- 3. Biodegradable Wastes:** Kitchen waste, flowers, vegetables, fruits, and leaves.
- 4. Inert Waste:** Rocks, debris, construction material.
- 5. Domestic Hazardous and Toxic Waste:** E-waste, medication, light bulbs, etc.

Municipal solid waste management is the need of the hour and is important for the safety of public health and better environmental quality.



COLLECTION



TRANSPORTATION



RECOVERY



PROCESSING



ANAEROBIC DIGESTER



COMPOST



INCINERATION

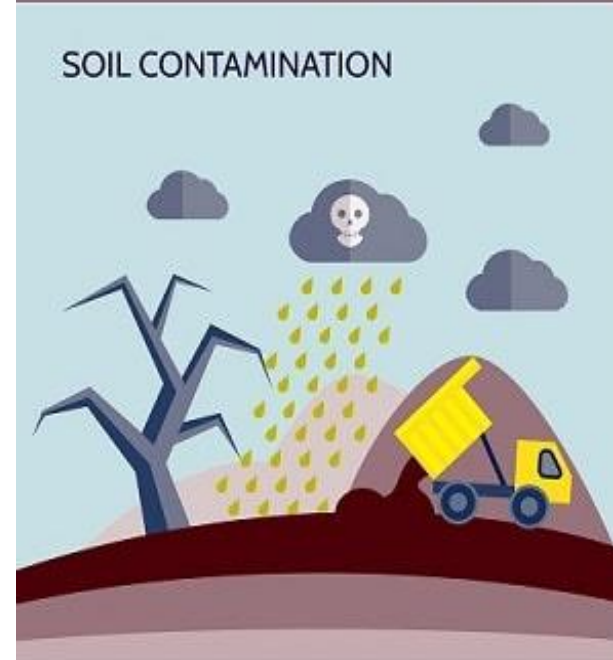


SANITARY LANDFILL

Various Methods of Solid Waste Management

Harmful Effects of Solid Waste

- **Bad odour of waste**
- **Production of toxic gases**
- **Degradation of natural beauty**
- **Air pollution**
- **Water pollution**
- **Soil pollution**
- **Spread of diseases**
- **Effect on biodiversity**



Seven Principles of Solid Waste Management

Refuse

Think before you buy
- do I need this?
Bring your own shopping bags

Reduce

Buy goods that last a long time,
Buy rechargeable batteries
Look for goods with minimal packaging

Re-gift

Buy goods that last a long time, Buy rechargeable batteries
Look for goods with minimal packaging

Recover

Recover the carbon from your grass and tree prunings by composting and improve the carbon content of your soil

Reuse

Buy goods from the local op shop
Remake things into something new - get the kids to help you make paper machier gift boxes

Repair

fix object rather than throw them away - good shoes can be re-heeled and re-soled many times over

Recycle

Give things that you no longer use or need to friends and family or donate them to the local op shop

Important Points About Solid Waste Management (SWM)]

With rapid urbanisation, industrialisation, and an explosion in population in India, solid waste management will be a key challenge for state governments and local municipal bodies in the 21st century.

Solid waste management is vital to the health and well-being of city dwellers.

The 'Swachh Bharat Abhiyan' was created to tackle these issues related to waste management, and it created awareness among the people about the proper treatment of solid waste. Since the launch of this campaign, the waste management concept has started to gain momentum.

SWACHH BHARAT MISSION

A Shining Beacon in India's Quest for Clean Water and Sanitation (SDG 6)





IMPACT OF SWACHH BHARAT

A recent WHO report based on the results of modelling study of SBM-G indicates that the mission could avert **upto 300,000 deaths due to diarrheal diseases** and protein-energy malnutrition with **150,000 lives saved annually**. Along with ensuring human lives, there are also significant financial gains from the mission. According to a survey titled 'The Financial and Economic Impact of SBM in India 2017, designed by the UNICEF, estimated that on an average an ODF village household could gain by as much as Rs **50,000 per year for savings in medical expenditure** due to lower incidence of illness and less income loss due to fewer days of unpaid sick leave.



Swachh Bharat to Sundar Bharat via Swasth Bharat



93.1% of households achieved access to toilets

Reduced deaths due to diarrhoea, malaria and thereby improved child health and nutrition

Savings from a household toilet exceed the costs to the household

Incorporate environmental and water management issues for **sustainable improvements** in the long-term



Transformative Impact Of Swachh Bharat Abhiyan



SAVING LIVES

3 Lakh diarrhoeal deaths avoided



ENSURING SAFETY & DIGNITY OF WOMEN

96% women feel safer after getting toilet at home



EARNING MONEY FOR FAMILY

INR 50,000 saved every year on average by a household due to health costs avoided



SAVING ENVIRONMENT

12.70 times less likelihood of groundwater contamination traceable to humans



8 YEARS OF SWACHH BHARAT

Seva Samarpan

— 20 Years of Good Governance —

Swachh Bharat Abhiyan

Ek Kadam Swachhata Ki Ore



Launched on 2nd October 2014



Massive success due to Jan Bhagidari



Realise the vision of Mahatma Gandhi for a clean India

बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (BBMP) ने प्रत्येक घर के लिए प्रति माह 100 रुपये का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) उपकर (Cess) प्रस्तावित किया है।

जबकि प्रस्ताव ने निवासियों और हितधारकों के बीच बहस और आलोचना को जन्म दिया है, SWM उपकर के पीछे के तर्क, इसके इच्छित उपयोग और भारत में शहरी स्थानीय निकायों (UBLs) के सामने आने वाली ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) चुनौतियों के व्यापक संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है।



Income Tax

```
graph TD; A[Income Tax] --> B[Slab Rate]; A --> C[Cess]; A --> D[Surcharge]; B --> E[Tax rate divided into different categories based on income level]; C --> F[Additional tax collected for specific purpose]; D --> G[Additional tax charged when income earned above specified limit];
```

Slab Rate

Tax rate divided into different categories based on income level

Cess

Additional tax collected for specific purpose

Surcharge

Additional tax charged when income earned above specified limit

Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike



Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike is the administrative body responsible for civic amenities and some infrastructural assets of the Greater Bengaluru metropolitan area. It is the fourth largest Municipal Corporation in India and is responsible for a population of 8.4 million in an area of 741 km².

What is the solid waste management?

The term solid waste management mainly refers to **the complete process of collecting, treating and disposing of solid wastes**. In the waste management process, the wastes are collected from different sources and are disposed of. This process includes collection, transportation, treatment, analysis and disposal of waste.



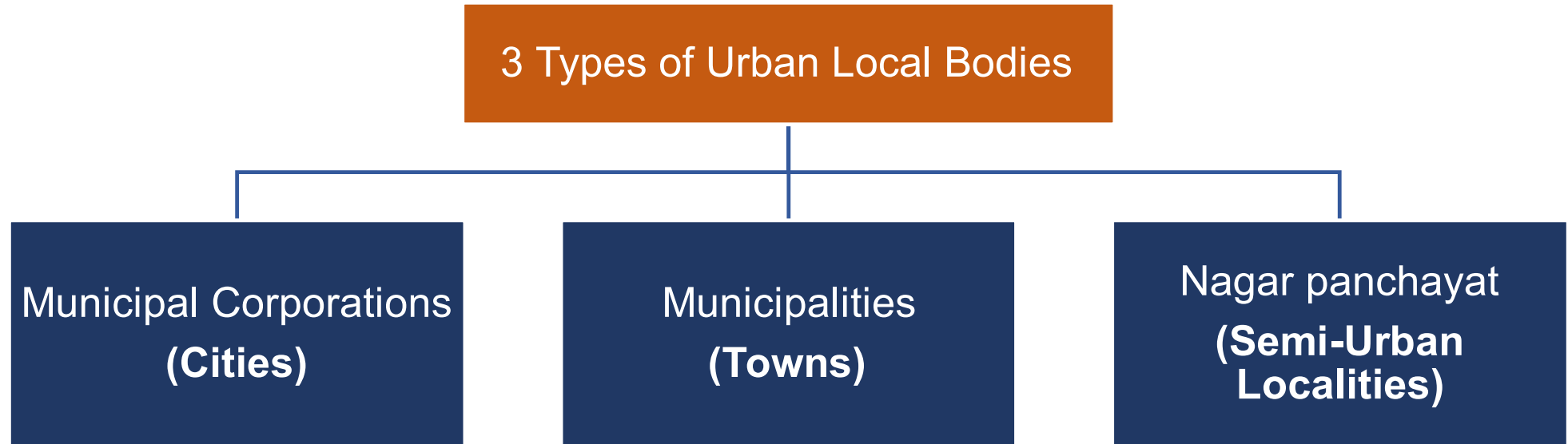
Urban Local Bodies (ULBs) are **small local bodies that administers or governs a city or a town of specified population**. Urban Local Bodies are vested with a long list of functions delegated to them by the state governments.



Assam State Portal

<https://dma.assam.gov.in> › portlets › urban-local-bodies-... ⋮

Urban Local Bodies (ULBs)



शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार उपयोगकर्ता शुल्क या SWM उपकर लगाते हैं। इन दिशानिर्देशों के अनुसार, ULB को प्रदान की गई SWM सेवाओं के प्रावधानों के लिए उपयोगकर्ता शुल्क/उपकर एकत्र करना होगा।

हालांकि कोई निर्दिष्ट दर नहीं है, ULB आमतौर पर SWM उपकर के रूप में प्रति माह लगभग 30-50 रुपये वसूलते हैं, जो संपत्ति कर के साथ एकत्र किया जाता है।

ULB अब इन दरों को संशोधित करने और SWM सेवाएं प्रदान करने में होने वाली लागत के एक हिस्से को पूरा करने के लिए थोक अपशिष्ट जनरेटर पर उच्च शुल्क लगाने पर विचार कर रहे हैं।

SOLID WASTE MANAGEMENT RULES (2016)



Solid Waste Management Rules (2016)

The regulations, surpassing the Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules of 2000, now encompass urban agglomerations, census towns, notified industrial townships, and other areas beyond municipal boundaries.

To oversee the general implementation of these regulations, the government has instituted a Central Monitoring Committee chaired by the Secretary of the Ministry of Environment, Forest, and Climate Change (MoEF&CC).

Additionally, every Indian citizen is obligated under Article 51 A (g) of the Indian Constitution to protect and enhance the natural environment, including forests, lakes, rivers, and animals, and to demonstrate compassion for all living beings.

FEATURES OF SWM RULES 2016

Guidelines for Waste Processing and Treatment.

Management of Waste in Hilly Areas: Development on hills should be avoided, and sanitary sites in hilly areas should be located in plain areas within 25 km.

Recovery and Recycling Facilities: Developers of Special Economic Zones, industrial estates, and industrial parks must allocate at least 5% of the total area or 5 plots/sheds for recovery and recycling facilities.

Financial Assistance from Disposable Product Manufacturers: Manufacturers of disposable products and brand owners introducing such products **must provide financial assistance to local governments for establishing waste management systems.**

Solid Waste Management in India

Roles & responsibilities of Institutions in SWM

Responsible institutions	Roles and responsibilities in SWM
Government of India and State Governments	Make Central/ State-level laws and rules; frame policies; prepare guidelines, manuals, and technical assistance; provide financial support
Municipal authorities and state government	Plan for MSWM treatment facilities
Municipal authorities	Collect, transport, treat and dispose of waste
Municipal authorities with state government approval	Frame bylaws; levy and collect fees
Municipal authorities, State and central government	Capital investment in SWM systems

Source: IMAcS analysis

74th Amendment Act for empowered municipalities to implement SWM schemes

Municipal Solid Wastes (Management & Handling) Rules, 2000 by MoEF

The Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974

The Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Act, 1977

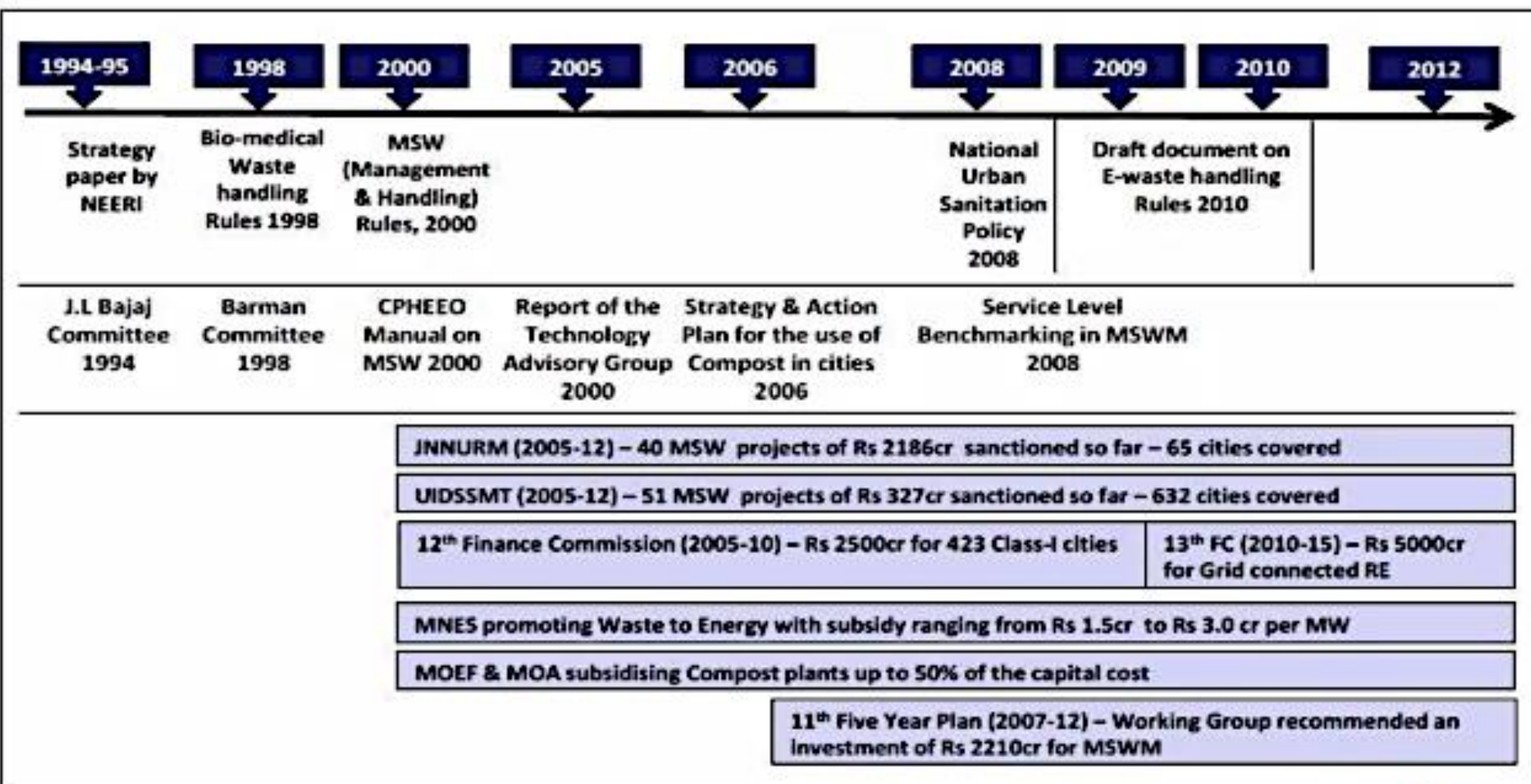


ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का वित्तीय तनाव (financial pressure/load)-

SWM भारत में ULB द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाओं में से एक है। SWM सेवाएं प्रदान करना जटिल और संसाधन गहन है। ULB आमतौर पर शहर के निवासियों को SWM सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी लगभग 80% जनशक्ति और अपने वार्षिक बजट का 50% तक तैनात करते हैं।

वे पूंजीगत लागत में भारी निवेश करते हैं, जिसमें वाहनों की खरीद, ट्रांसफर स्टेशन और प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण परिचालन लागत घर-घर कचरा संग्रहण में लगे कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, ड्राइवरो और प्रसंस्करण संयंत्र संचालन में लगे कर्मचारियों के वेतन में जाती है।

Solid Waste Management in India



MSWM - Important Policy landmarks and funding initiatives of GoI

Source: IMaCS analysis



बेंगलुरु जैसे शहर में, एक शहरी निवासी प्रतिदिन लगभग 0.6 किलोग्राम कचरा उत्पन्न करता है, जो प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति लगभग 0.2 टन है।

कुल मिलाकर, बेंगलुरु प्रतिदिन लगभग 5,000 टन ठोस कचरा उत्पन्न करता है। कचरे की इस मात्रा को प्रबंधित करने के लिए लगभग 5,000 कचरा संग्रहण वाहन, 600 कॉम्पेक्टर और लगभग 20,000 पौराकर्मिका की आवश्यकता होती है।

SWM सेवाओं में मोटे तौर पर चार घटक होते हैं: संग्रह, परिवहन, प्रसंस्करण और निपटान। ULB आम तौर पर संग्रह और परिवहन को एक साथ, और प्रसंस्करण और निपटान को एक साथ पैकेज करते हैं।

संग्रह और परिवहन संसाधन और श्रम-केंद्रित हैं और SWM बजट का 85-90% तक खर्च होता है, जबकि कचरे के प्रसंस्करण और निपटान पर केवल 10-15% खर्च होता है।

BBMP's Solid Waste Management (SWM) expense planned for 2020-21



Receipts

Estimated SWM cess from property tax for 2020-21
Rs 175 cr

Receipts from the SWM department (tipping fee)
Rs 1 lakh

BBMP's SWM budget for 2019-20
Rs 1021.57 crore



Payment of wages and allowances
Rs 72.67 cr



Allowance for marshals
Rs 10 crore



DPR preparation
Rs 2 cr



Infrastructure expenditure
Rs 7.27 cr



Work from central grants/ Swachh Bharat
Rs 55 cr



Work from state grants
Rs 113.5 cr



Operations and maintenance of SWM
Rs 757.3 cr



Scientific sanitary landfill maintenance
Rs 25.68 cr

Total planned SWM budget for 2020-21
Rs 1058.87 cr

परिचालन और राजस्व चुनौतियाँ-

हालाँकि ULB, SWM सेवाओं पर काफी खर्च करते हैं, लेकिन इन सेवाओं से राजस्व की कोई गारंटी नहीं है। भारतीय शहरों में उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे में लगभग 55-60% गीली बायोडिग्रेडेबल सामग्री और 40-45% गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री होती है।

सूखे कचरे में पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का हिस्सा न्यूनतम होता है, केवल लगभग 1-2%, बाकी ज्यादातर गैर-पुनर्चक्रण योग्य और गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरा होता है। यद्यपि 55% गीले कचरे को जैविक खाद या बायोगैस में परिवर्तित किया जा सकता है, लेकिन उपज 10-12% जितनी कम है, जिससे ठोस कचरे से खाद और बायोगैस उत्पादन दोनों आर्थिक रूप से अव्यवहार्य (unviable) हो जाते हैं।



HOW



1

The project envisages three components to strengthen the institutional and service delivery systems for SWM

2

With the support of several existing agencies, the project will be implemented.

3

The Project will be implemented under a three-tiered implementation framework

A State Level Project Management Unit (SPMU)

District Level Project Management Units (DPMUs) in all districts

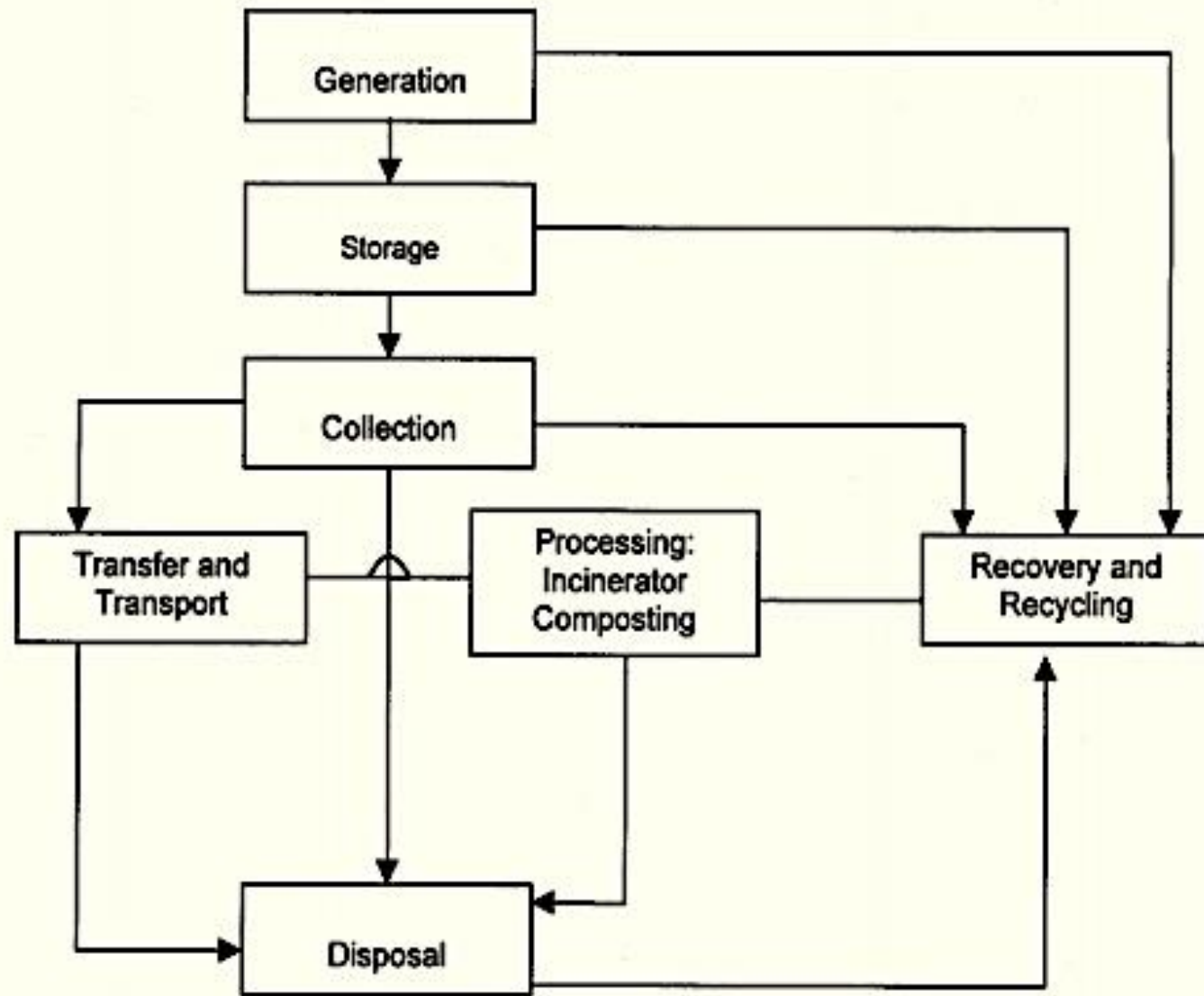
Project Implementation Units (PIUs) in the ULBs

आमतौर पर, अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं से परिचालन राजस्व परिचालन व्यय का लगभग 35-40% ही कवर करता है, बाकी ULB द्वारा सब्सिडी दी जाती है।

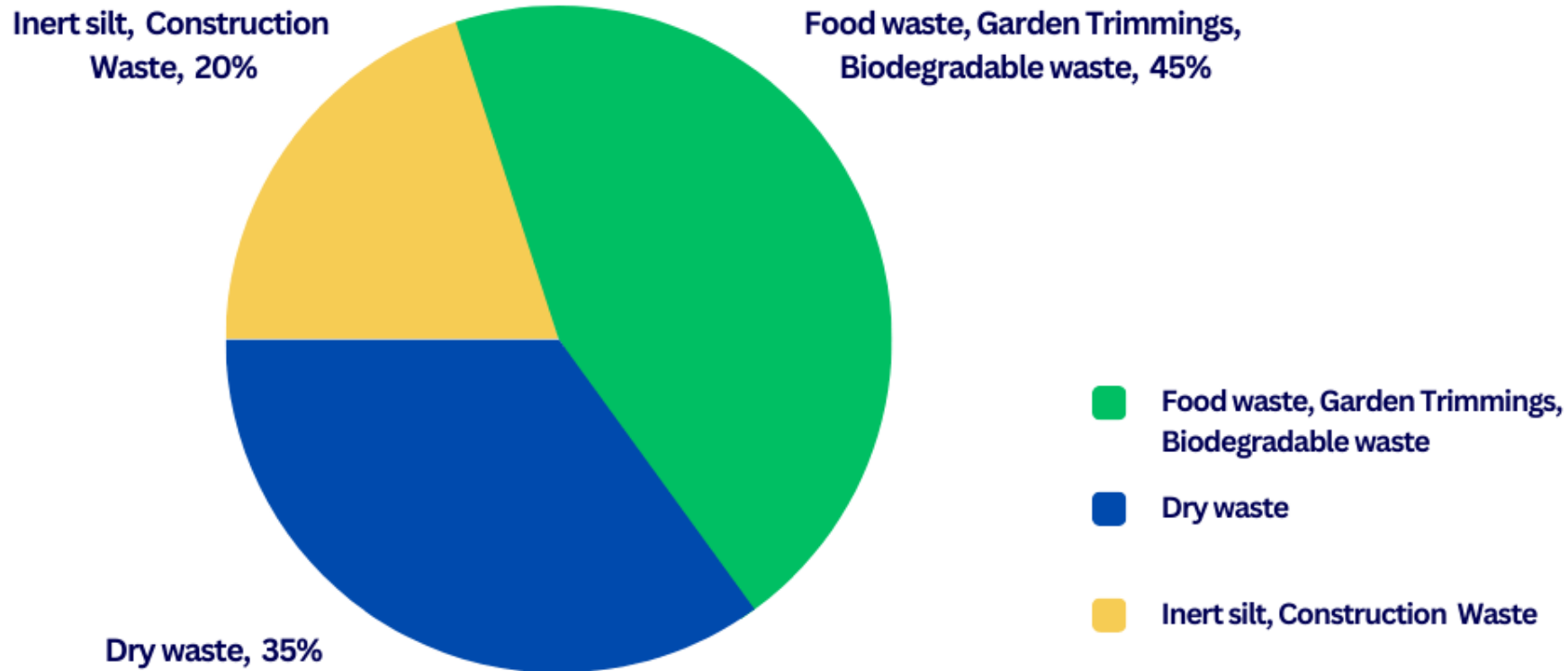
अधिकांश गीले अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं या तो टिपिंग शुल्क पर संचालित होती हैं, जो सरकार द्वारा परिचालन घाटे को पूरा करने के लिए प्लांट ऑपरेटर को भुगतान किया जाता है, या नगर पालिका के सामान्य व्यय से आवंटित धन पर।

A gate fee (or tipping fee) is the charge levied upon a given quantity of waste received at a waste processing facility. In the case of a landfill it is generally levied to offset the cost of opening, maintaining and eventually closing the site. It may also include any landfill tax which is applicable in the region.

Typical SWM System: Functional Elements



Municipal Solid Waste Composition



वित्तीय चुनौतियों के अलावा, यूएलबी को एसडब्ल्यूएम सेवाओं से जुड़ी अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे खुले बिंदुओं और नालियों को साफ करने का अतिरिक्त काम, खुले में कूड़ा-कचरा रोकना, अपशिष्ट उत्पादन में मौसमी बदलाव और सफाई अभियान।

वित्तीय व्यवहार्यता की कमी, स्रोत पर अपर्याप्त पृथक्करण और तैयार उत्पादों के लिए सीमित बाजार के कारण अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों का संचालन अधिक चुनौतीपूर्ण है।

इसके अतिरिक्त, गैर-खाद योग्य और गैर-पुनर्चक्रण योग्य सूखे कचरे, जैसे एकल-उपयोग प्लास्टिक, कपड़ा अपशिष्ट और अक्रिय सामग्री का निपटान महंगा है क्योंकि सामग्री को सीमेंट कारखानों या शहरों से लगभग 400 से 500 किमी की दूरी पर स्थित अपशिष्ट-से-ऊर्जा परियोजनाओं में भेजना पड़ता है।

Strategically aspects

- *Technical*
- *finical*
- *Environmental*
- *institutional*
- *Political*
- *Social-culture*

Problem identification

- *Financial*
- *technical*
- *environmental*
- *institute*
- *Political*
- *social cultural*

Elements of Swm system

*Waste handling,
Sorting, storage,
collection, processing
transfer and disposal
methods*

Sound waste management strategies

- *Waste minimization*
- *Recycling*
- *Waste processing*
- *Waste transformation*

Coping mechanism

- *Reduction at source*
- *Composting*
- *Community participation*
- *Improved efficiency*
- *Building capacity*

Stakeholders

*Municipalities / ULBs
NGOS AND CBOs
Services users
Private sector*

Other influencing factor

- *Waste characterizes (Food /cooking habits)*
- *Social-Cultural*
- *Recycling market availability*

Sustainable waste management practices

बेंगलुरु जैसे बड़े शहर अपने बजट का लगभग 15% खर्च करते हैं - BBMP के 2023-24 बजट के अनुसार 11,163 करोड़ रुपये में से लगभग 1,643 करोड़ रुपये - जबकि प्राप्त अनुदान के अलावा, SWM सेवाओं से राजस्व, 20 लाख रुपये प्रति वर्ष, लगभग नगण्य है।

छोटे शहर अपने बजट का 50% तक खर्च करते हैं लेकिन उनका राजस्व लगभग नगण्य होता है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, ULB को निरंतर SWM सेवाओं के लिए संसाधन आवंटित करने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए, ULB अपशिष्ट उत्पादकों को SWM सेवाएं प्रदान करने में होने वाली लागत के एक हिस्से को कवर करने के लिए SWM उपकर वसूलते हैं।

Why do we need a sustainable and circular bioeconomy?

Global challenges such as climate change and ecosystem degradation, along with growing demands for food and energy, force us to find **new ways of producing and consuming** in a world of finite resources.

The bioeconomy has enormous potential for...



Job creation

Create millions of green jobs, especially in rural and coastal areas.



Renewal and modernisation of the industrial fabric

Introduce innovations in agriculture, aquaculture, forestry and other industries.



Climate mitigation and carbon neutrality

Reduce atmospheric emissions and our dependence on fossil resources.



Ecosystem and biodiversity restoration

Aligned with the SDGs, recover part of the degraded ecosystems.

परिचालन व्यय को कम करने की रणनीतियाँ

हालाँकि कचरे के संग्रहण और परिवहन से कोई राजस्व नहीं मिलता है, कई रणनीतियाँ SWM पर समग्र व्यय को कम कर सकती हैं और उपयोगकर्ता शुल्क को कम कर सकती हैं।

स्रोत पर कचरे का पृथक्करण: अलग-अलग कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया से पैदावार 20% तक बढ़ सकती है और अधिक सूखे कचरे को पुनर्चक्रण के लिए भेजा जा सकता है।

इससे परिचालन लागत कम हो सकती है, हालाँकि अनुपालन और व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास की आवश्यकता है।

COLLECTION

DISPOSAL



PROCESS FLOW OF

SOLID WASTE MANAGEMENT



TRANSPORTATION

PROCESSING



RECOVERY



एकल-उपयोग (single-use) प्लास्टिक को कम करना:

गैर-पुनर्चक्रण (non-recyclable) योग्य एकल-उपयोग (single-use) प्लास्टिक में वृद्धि ने ULB के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यह सामग्री भारी (bulky) है, जिससे इसे सीमेंट कारखानों या अपशिष्ट-से-ऊर्जा परियोजनाओं में भेजने के लिए परिवहन लागत बढ़ जाती है। एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने से परिचालन लागत कम हो सकती है।

विकेंद्रीकृत खाद बनाने की पहल: शहरी क्षेत्रों के निवासी अक्सर गंध और लीचेट (contaminated liquid) की समस्याओं के कारण बड़े पैमाने पर खाद बनाने की सुविधाओं का विरोध करते हैं। तमिलनाडु और केरल के शहरों ने वार्ड स्तर पर माइक्रो कंपोस्टिंग सेंटर (MCC) को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे स्थानीय स्तर पर गीले कचरे का प्रसंस्करण होता है और परिवहन लागत कम होती है।

500 million

tonnes of plastic are
produced annually worldwide

In 2020 we will generate

900% more

plastic than in 1980

By 2050

the oceans could contain
more plastics than fish



खुले में कूड़े को रोकने के लिए सूचना, शिक्षा और जागरूकता (IEC):

शहर सड़कों की सफाई और कचरे की नालियों को साफ करने पर व्यापक संसाधन खर्च करते हैं, इन कार्यों के लिए लगभग दो-तिहाई कर्मचारी तैनात किए जाते हैं। कूड़ा-कचरा फैलाने और अनुचित अपशिष्ट निपटान को रोकने के लिए IEC गतिविधियों को लागू करने से इन कार्यों के लिए श्रम की आवश्यकता कम हो सकती है, जिससे अपशिष्ट प्रसंस्करण और मूल्य वसूली के लिए उनकी पुनः तैनाती की अनुमति मिल सकती है, जो वर्तमान में उपेक्षित है।

अपने स्वयं के कचरे को संसाधित करने के लिए थोक अपशिष्ट जनरेटर: पर्याप्त जगह वाले बड़े संस्थान इन-हाउस अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित कर सकते हैं। इससे ULB पर भार कम हो जाता है और अपशिष्ट उत्पादकों को परिसर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद मिलती है।

9 REASONS TO REFUSE SINGLE-USE PLASTIC



1 Made from fossil fuels



2 Huge carbon footprint



3 Will still be here in hundreds of years



4 Only a tiny percentage is recycled



5 Leaches toxins into food & drink



6 Causes hormone disruption & cancers



7 Pollutes our oceans



8 Kills marine animals and birds



9 Enters our food chain



ULB द्वारा की जाने वाली परिचालन लागत को कम करने के लिए ULB, अपशिष्ट उत्पादकों और निवासियों के पर्याप्त प्रयास और सहयोग की आवश्यकता है।

राजस्व उत्पन्न किए बिना कुशल SWM सेवाएं प्रदान करना वित्तीय रूप से विवश ULB के लिए एक गंभीर चुनौती है। एक संतुलित दृष्टिकोण, कुशल संचालन के साथ सीमांत उपयोगकर्ता शुल्क का संयोजन, हमें अपने शहरों को स्वच्छ और रहने योग्य बनाने में मदद कर सकता है।

9 WAYS TO REDUCE PLASTIC IN YOUR WORKPLACE



1 Inspire your colleagues, hold an ocean plastic talk



2 Organise a park, river or beach clean with your team



3 Provide unlimited filtered tap water



4 Have reusables in kitchens & canteens



5 Reduce plastic in office tea & coffee



6 Encourage eco habits, gift reusables to your team



7 Ask your team for ideas to cut plastic in their roles



8 Request that suppliers use less plastic packaging



9 Share your successes, inspire others to act too

#PlasticGameChanger





NCERT



FOUNDATION BATCH

BILINGUAL LIVE CLASSES

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER BATCH START REGISTER START

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





NCERT

FOUNDATION BATCH

**OFFER
FEE
4999 RS**

**LIMITED OFFER
REGISTRATION START**



1. SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2. SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4. SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5. ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6. UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE



FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR



MATAR MUSHROOM





HOW TO GROW MAGIC MUSHROOMS

Growing and Using Magic Mushrooms

The Psilocybin MUSHROOM BIBLE



Legal highs, scary lows: Decriminalisation of 'magic mushrooms' linked to rise in calls for help

Psilocybin mushroom

Fungi

Denver • Edited By: Prapti Upadhayay • Updated: Jun 18, 2024, 09:09 AM IST



What psychedelics legalisation and decriminalisation looks like around the world

22 March 2024

By Jennifer Chesak, Features correspondent



Psilocybin mushroom

Fungi



What Are Shrooms (Magic Mushrooms)?

Shrooms are a type of mushroom that contain hallucinogenic drugs called psilocin or psilocybin. Shrooms are also known as magic mushrooms or simply as mushrooms. **Taking shrooms causes hallucinations and can affect a person's thoughts and emotions.**

Archeological evidence suggests that humans have been using "shrooms," also called magic mushrooms, for ceremonial and medicinal purposes for thousands of years.

The mushrooms have a long history of use. **There is evidence that indigenous people in Central America used them for healing and spiritual rituals as far back as 3000 B.C.**

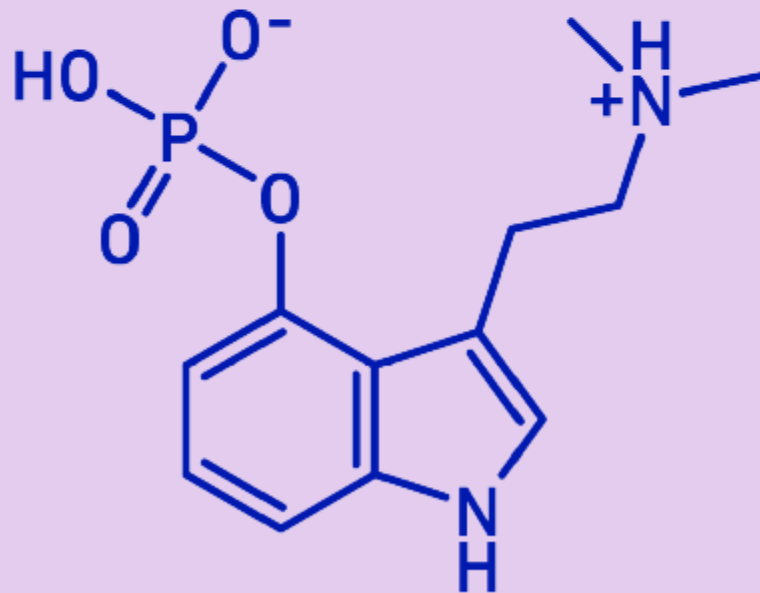
PSILOCYBIN

NATURAL PSYCHEDELIC

Derived from over 200 species of mushroom

MECHANISM OF ACTION

Metabolized to psilocin, serotonin 5-HT_{2A} agonist



INDICATIONS

Depression, Anxiety, Addiction, PTSD, Cluster Headaches, OCD, Alzheimer's Disease and Anorexia

ONGOING CLINICAL RESEARCH

Psilocybin (4-phosphoryloxy-N,N-dimethyltryptamine) comes from certain types of mushrooms found on nearly every continent.

The mushrooms, which are also known as shrooms or magic mushrooms, are typically consumed dried or powdered.

Psilocybin is part of a group of drugs called psychedelics—or hallucinogens—that have the potential to change a person's sense of reality, leading them to see, hear, and feel things that are not happening in real life, or to experience reality in a different way.

Scientists began studying psilocybin decades ago, along with related substances like lysergic acid diethylamide (LSD), to examine their potential to treat mental illness, including substance use disorders.

LSD PROFILE

Composition:

Synthetically made compound from lysergic acid

Form:

Paper or 'tabs' soaked in paper, and various others

Schedule:

Schedule I drug, categorized as highly addictive without medical use

Effects:

Distorted sense of reality, hallucinations, depression, Anxiety, dilated pupils

Effects Of LSD

Like all drugs, the effects of LSD vary from person to person. The specific effects depend on numerous factors, including the LSD dosage, specific environment and setting, individual brain chemistry differences, personal mindset before taking the drug, and the state of someone's mental and physical health. LSD is most known for intensifying emotions, evoking spiritual reactions, and altering one's thinking patterns.

What to Know About Shrooms?

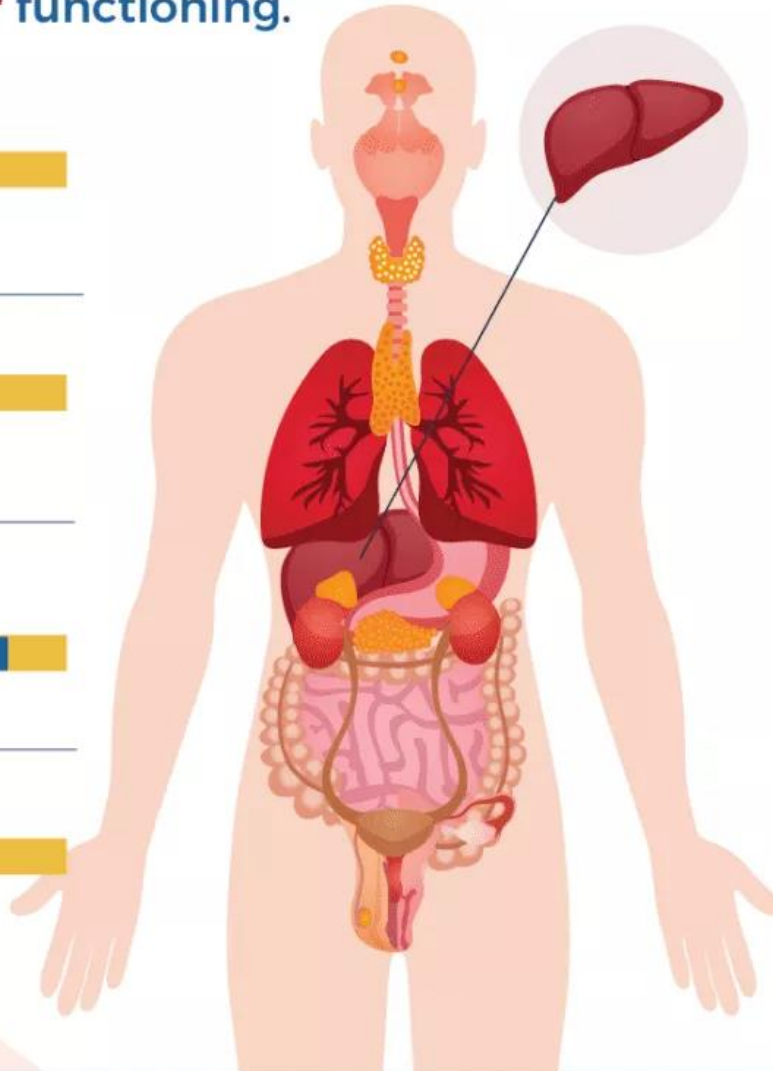
Although certain cultures have been known to use the hallucinogenic properties of some mushrooms for centuries, **psilocybin was first isolated in 1958 by Dr. Albert Hofmann, who also discovered lysergic acid diethylamide (LSD).**

Magic mushrooms are often prepared by drying and are eaten by being mixed into food or drinks. Although, some people eat freshly picked psilocybe mushrooms.

Also Known As: Magic mushrooms are also known as shrooms, mushies, blue meanies, golden tops, liberty caps, philosopher's stones, liberties, amani, and agaric.

How Long Does LSD Stay In Your System

The detection time of LSD in the system depends on **weight**, **age**, and **liver** functioning.



DOSE OF DEATH

What is LSD?

Lysergic acid diethylamide – best known as LSD or acid – is a psychedelic hallucinogen that alters the mind for about 12 hours

Effects of drug

- Vivid hallucinations
- Fear of losing control
- Panic attacks, anxiety and paranoia
- Cognitive malfunction akin to brain damage
- Spikes in heart rate and blood pressure levels
- Loss of touch with the consensus reality
- Flashbacks



(Top) Liquid LSD and (below) LSD cubes seized by cops from city



Signs of LSD usage

- Disorientation
- Dilated pupils and racing heartbeat
- Difficulty in communicating
- Chills, tremors or palpitations
- Body temperature fluctuations
- Mood swings

Drug Class: Psilocybin is classified as a hallucinogen.

Common Side Effects: Shrooms are known to cause unwanted side effects such as nausea, yawning, feeling drowsy, nervousness, paranoia, panic, hallucinations, and psychosis.

Shrooms can be consumed in a variety of ways including:

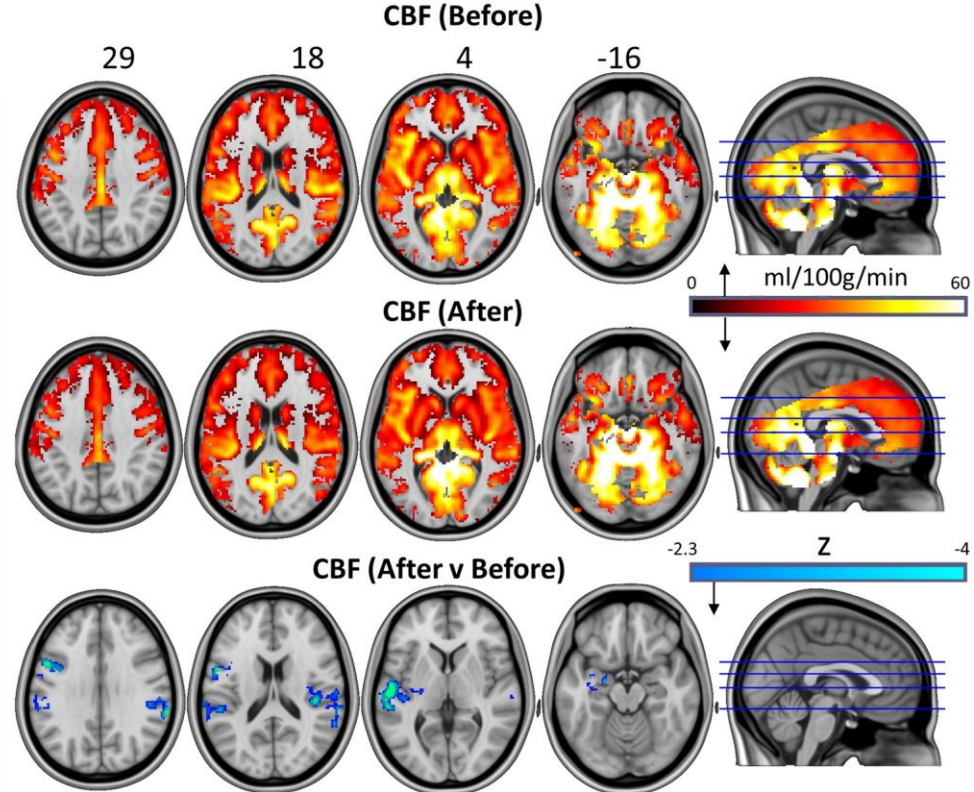
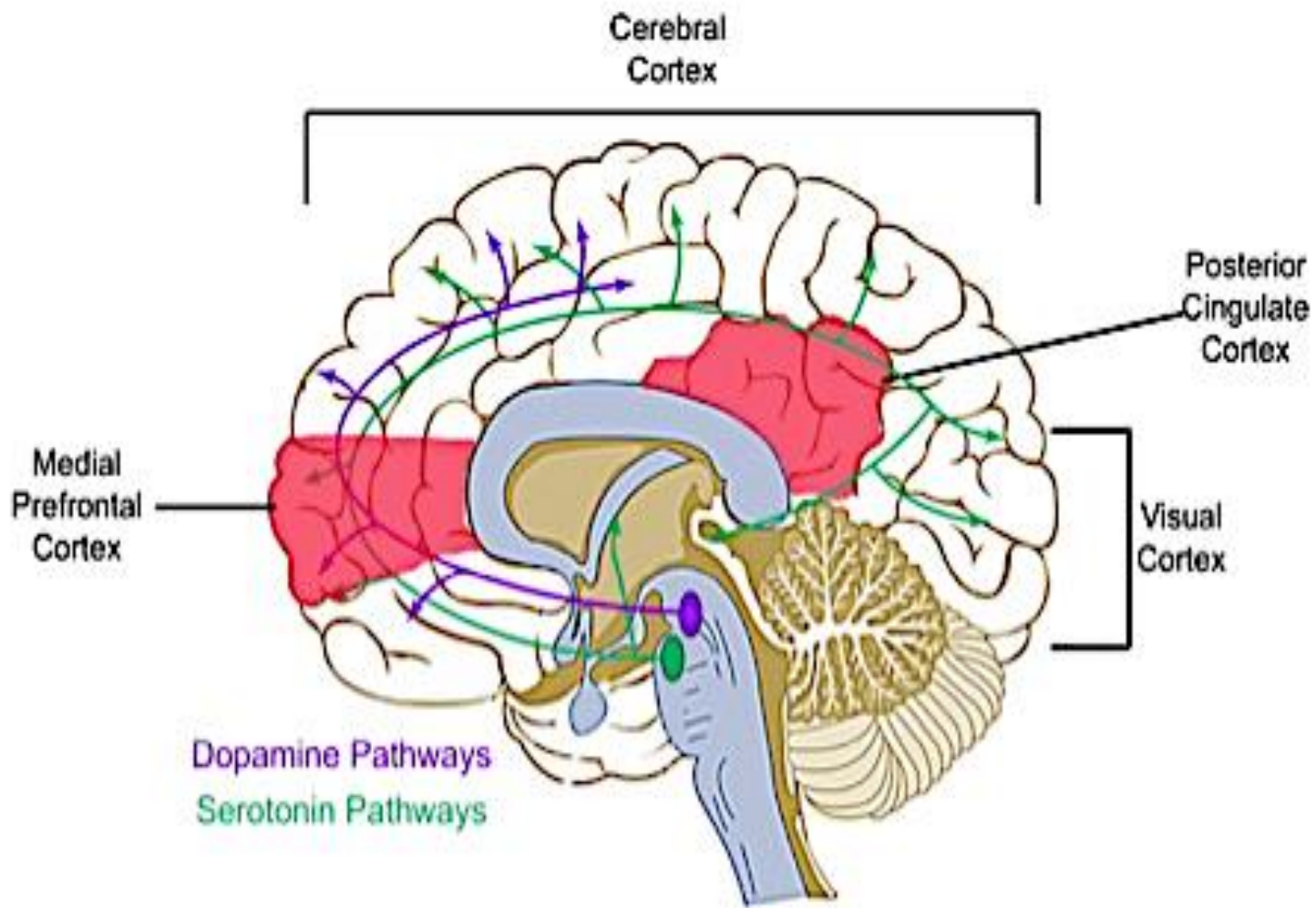
- eating dried mushrooms
- **consuming powdered mushrooms by injection**
- steeping mushrooms as tea
- cooking with dried or powdered mushroom
- adding powdered mushroom to juice and other beverages
- **taking a capsule of powdered mushroom**



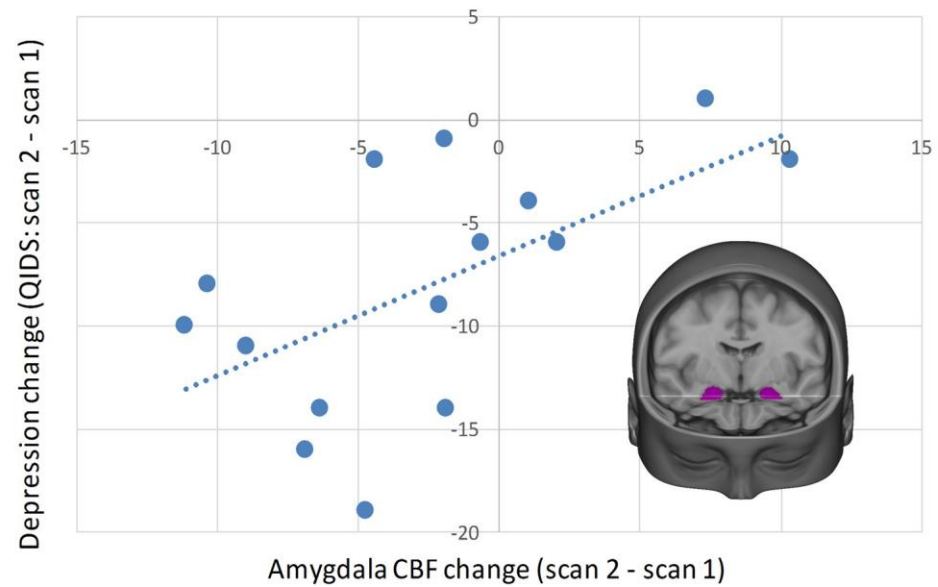
How does psilocybin work in the brain?

When a person takes psilocybin, their body converts it to another substance, psilocin. Psilocin attaches to and activates receptors, or binding sites, for the brain chemical serotonin, primarily the serotonin 5-hydroxytryptamine 2A (5HT2a) receptor. Researchers think this action is responsible for much of a person's subjective experience when they take the mushrooms.

The altered patterns of brain activity contribute to a person's profound change in consciousness. Studies suggest that psilocybin can temporarily disrupt communication among regions of the brain known as the default mode network, which is most active when we self-reflect. Reducing a person's sense of self-awareness may lead to a greater feeling of openness and increased connectedness to the world.



Change in amygdala CBF v depression change



How to Recognize Shrooms?

Psilocybin mushrooms look like dried ordinary mushrooms with long, slender stems that are whitish-gray and dark brown caps that are light brown or white in the center. Dried mushrooms are a rusty brown color with isolated areas of off-white.

Shrooms can be eaten, mixed with food, or brewed like tea for drinking. They can also be mixed with cannabis or tobacco and smoked. Liquid psilocybin is also available, which is the naturally occurring psychedelic drug found in liberty caps. The liquid is clear brown and comes in a small vial.



There are four types of psilocybin mushrooms:
Inocybe geophylla — top left
Gymnopilus luteofolius — top right
Psilocybe semilanceata — bottom right
Panaeolus cyanescens — bottom left



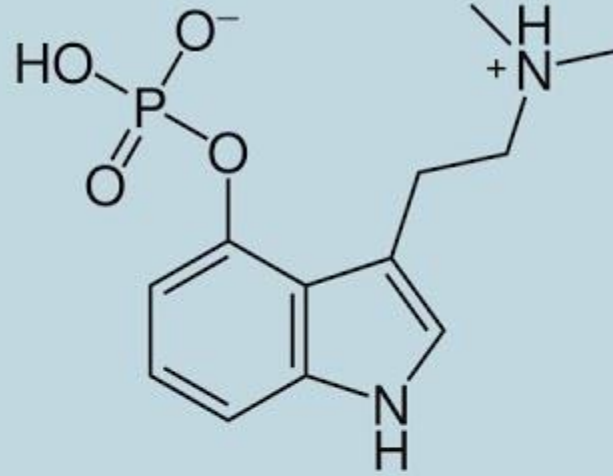
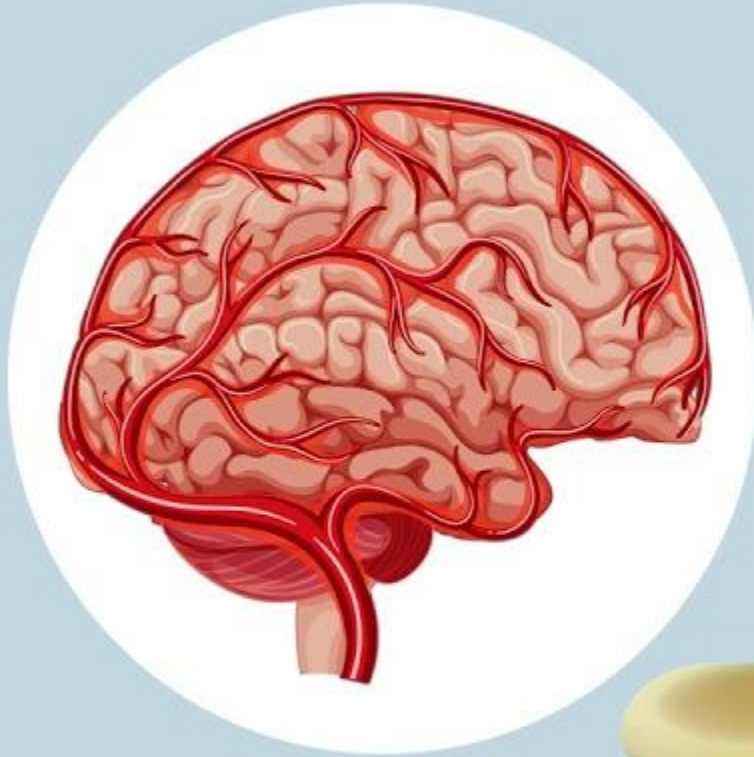
What Do Shrooms Do?

Magic mushrooms are hallucinogenic drugs, meaning they can cause you to see, hear, and feel sensations that seem real but are not. The effects of shrooms, however, are highly variable and believed to be influenced by environmental factors.

A number of factors influence the effects of magic mushrooms, including dosage, age, weight, personality, emotional state, environment, and history of mental illness.

While psilocybe mushrooms are often sought out for a peaceful high, shrooms have been reported to induce anxiety, frightening hallucinations, paranoia, and confusion in some. Hospital admissions related to the use of magic mushrooms are often connected to what is known colloquially as a "bad trip."

Cerebral blood flow



Brain functional connectivity



What the Experts Say?

Magic mushrooms have been used for thousands of years for both spiritual and medicinal uses among indigenous people of America and Europe.

Shrooms have a long history of being associated with spiritual experiences and self-discovery. Many believe that naturally occurring drugs like magic mushrooms, marijuana, and mescaline are sacred herbs that enable people to attain superior spiritual states.

Others take magic mushrooms to experience a sense of euphoria, connection, and a distorted sense of time.

The psilocybin found in shrooms is converted to psilocin in the body and is believed to influence serotonin in the brain, leading to altered and unusual perceptions.

The effects take 20 to 40 minutes to begin and can last up to 6 hours—the same amount of time it takes for psilocin to be metabolized and excreted.



What are the health benefits of Psilocybin mushrooms?

Research has shown that psilocybin could be beneficial as a treatment for psychiatric and behavioral conditions, including:

- **depression**
- **obsessive-compulsive disorder**
- **alcoholism**
- **cocaine addiction**
- **end-of-life psychological distress related to cancer or any other fatal condition**
- **Additionally, psilocybin could help people quit and has the potential to be a treatment for cluster headaches.**



However, none of these uses have been approved by the United States Food and Drug Administration (FDA). These potential health benefits have been seen in studies, but haven't been replicated on a large scale.

More data is needed to confirm that psilocybin mushrooms are a reliable treatment for these conditions.



US regulatory agency in charge of medicinal drugs, medical devices, foods, and cosmetics.



In the USA, new drugs must be approved by the FDA before pharma companies can sell them.

Potential Benefits of Shrooms?

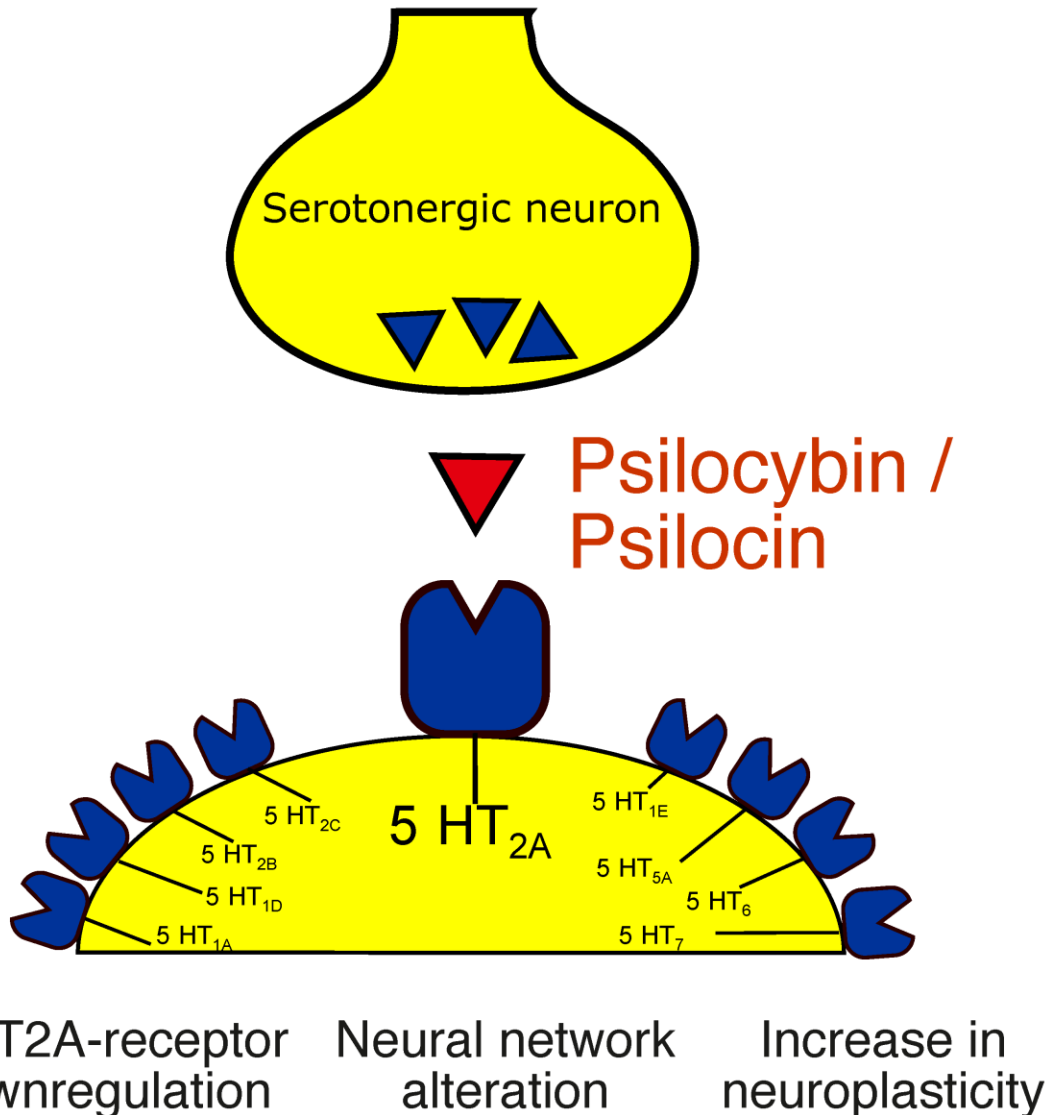
While some people take magic mushrooms solely for their psychoactive effects, researchers have also explored psilocybin's potential therapeutic benefits.

Medical Use

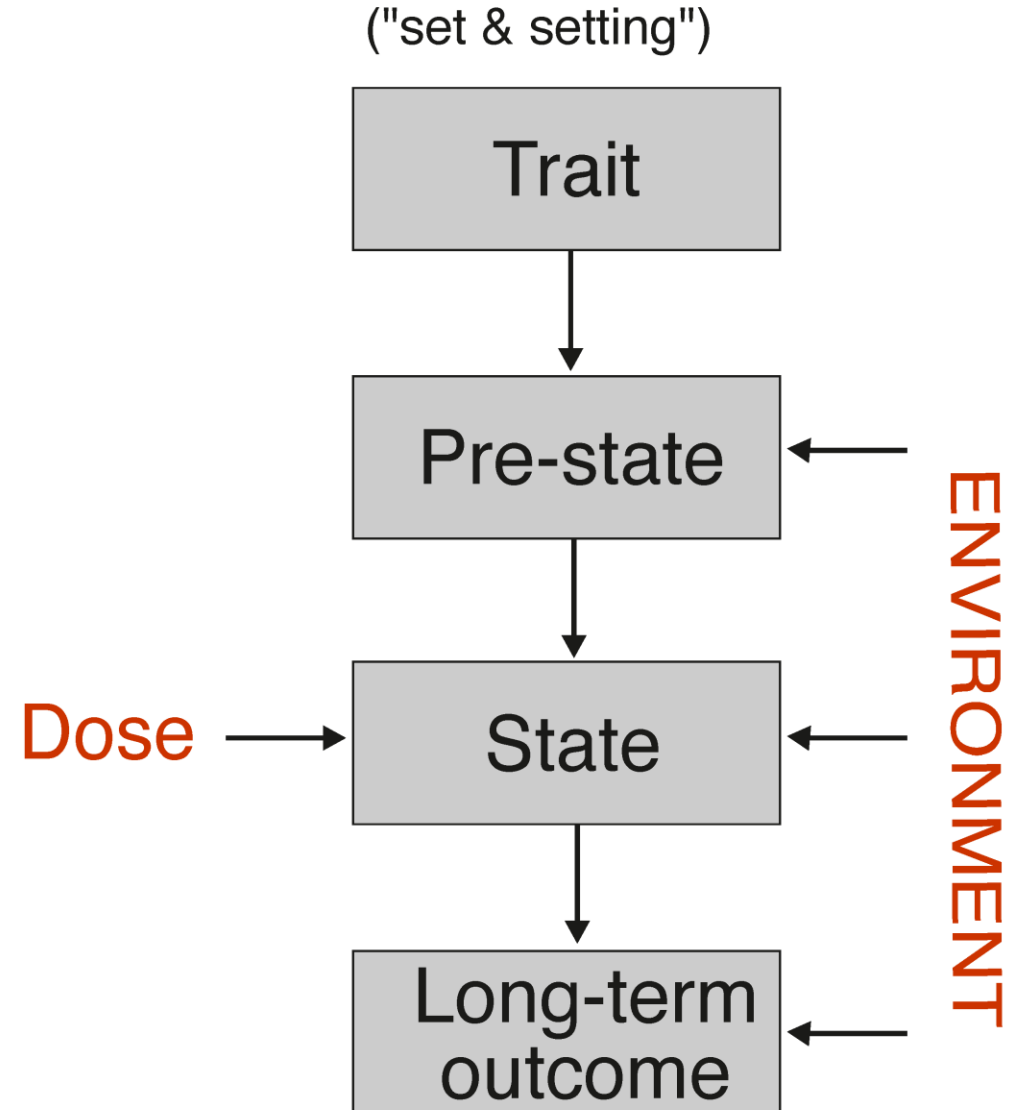
Researchers at Johns Hopkins found that psilocybin was an effective treatment for depression and nicotine and alcohol addictions, as well as other substance use disorders. Studies have also shown that magic mushrooms were effective for relieving the emotional distress of people with life-threatening cancer diagnoses.

Rediscovering Psilocybin as an antidepressant treatment strategy

Pharmacological Model



Extra-Pharmacological Model



The Center for Psychedelic and Consciousness Research at Johns Hopkins is also researching how psychedelics affect a variety of conditions such as:

- **Alzheimer's disease**
- Anorexia nervosa
- Opioid addiction
- **Post-traumatic stress disorder (PTSD)**
- Post-treatment Lyme disease syndrome

It is important to note that while researchers are currently exploring the therapeutic uses for psilocybin and other psychedelics, these substances are only utilized in controlled research and medical settings under the supervision of trained professionals.

Microdosing

Shrooms are also sometimes utilized in a practice known as microdosing. Microdosing involves taking very small amounts of a drug to test its benefits while minimizing unwanted side effects.

One study found that people who self-medicated with small dosages of psilocybin were able to relieve cluster headaches while avoiding any psychoactive effects of the drug.

Potential Benefits of Microdosing

- Sharpened problem-solving skills
- Improved mood and socialization
- Reduced headaches/migraines
- Increased energy and creativity
- Improved self-efficacy, self-care, and focus



It should be noted that researchers tend to advise against self-medicating with psilocybin for a few important reasons:

- Outside of a clinical setting, it may be harder to manage your anxiety and other unpleasant or unexpected experiences while under the influence (potentially leading to a bad trip)**
- You may take too high of a dosage.**
- It's hard to know the purity of the drug if you're purchasing it from an unregulated source.**

In addition, people with pre-existing mental health conditions may be more likely to experience adverse effects from psilocybin.

Anxiety Disorders



Bipolar Disorders



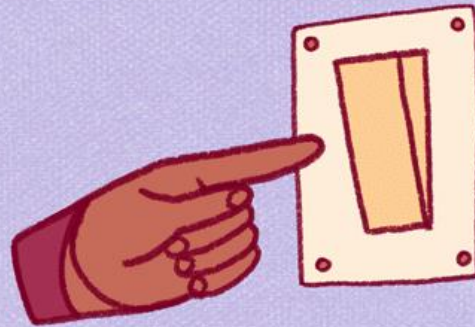
Types of Mental Illness



Depressive Disorders



Eating Disorders



Obsessive-Compulsive Disorders



Sleep-Wake Disorders

Psychedelic-Assisted Psychotherapy

Some psychedelic agents are currently being investigated for their benefits when used in combination with psychotherapy. Psilocybin is one that is being considered as a psychedelic therapeutic for both addiction and anxiety associated with terminal illness.

Additional research is ongoing. In 2019, the U.S. Food and Drug Administration (FDA) granted breakthrough-therapy status to psilocybin-assisted therapy. This designation aims to improve the research process and hasten the development of drugs that show great promise in treating serious illnesses.

Stages of Psychedelic Therapy



Preparation

The participant meets with the study clinician(s) to build rapport, discuss what to expect during the dosing session, and set intentions for their experience.



Dosing

After receiving the drug, the participant is monitored by clinician(s) in a comfortable environment. The participant typically listens to music with eyeshades on.



Integration

In the weeks following dosing, the participant meets with the clinician(s) to make meaning of their experience and incorporate any insights into their life going forward.

Risks of Psilocybin Shrooms

All hallucinogens carry the risk of triggering mental and emotional problems and causing accidents while under the influence. Among adolescents, shrooms are frequently taken in combination with alcohol and other drugs, increasing the psychological and physical risks.

The amount of psilocybin and psilocin contained in any given magic mushroom is unknown, and mushrooms vary greatly in terms of the amount of psychoactive contents. This means that it is very hard to tell the length, intensity, and type of "trip" someone will experience.

Consuming shrooms can result in a mild trip, with feelings of relaxation or drowsiness, to a frightening experience marked by hallucinations, delusions, and panic.

In some cases, magic mushrooms have even been known to cause seizures.



Delusions

Fixed, false beliefs, cannot be corrected by logic and are not consistent with culture and education of the patient.

Hallucinations

False sensory perception experienced without real external stimulus. They are usually experienced as originated in the outside world not within the mind as imagination.

Illusions

Misperception of real external stimulus. Most likely to occur when general level of sensory stimulation (consciousness) is reduced.

Physical Effects and Risks

Physical effects of psilocybin mushrooms include:

- **Dilated pupils**
- **Drowsiness**
- **Headaches**
- **Increased heart rate, blood pressure, and temperature**
- **Lack of coordination**
- **Muscle weakness**
- **Nausea**
- **Yawning**

Since magic mushrooms look similar to poisonous mushrooms, poisoning is another potential risk of taking these drugs. Mushroom poisoning can cause severe illness, organ damage, and even death.

Symptoms of Nausea



SWEATING



LIGHTEADEDNESS



VOMITING



ABDOMINAL
DISCOMFORT



PALE SKIN



LOSS OF
APPETITE



VERTIGO



FATIGUE



DRY MOUTH



COLD SWEATS

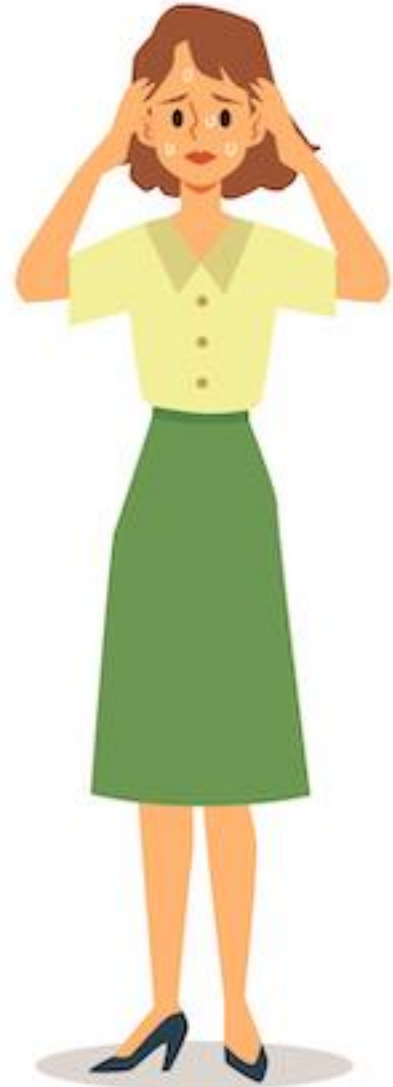
Mental Effects and Risks

Mental effects of shrooms are:

- **Distorted sense of time, place, and reality**
- Euphoria
- Hallucinations (visual or auditory)
- **Having introspective (spiritual) experiences**
- Nervousness
- Panic reactions
- Paranoia
- Psychosis

Self-reports suggest that bad trips, medical emergencies, and long-term adverse outcomes can occur, particularly at high doses or when combined with other substances.

PANIC ATTACK



SWEATING



DIZZINESS

ACCELERATED
HEART RATE



TREMBLING

SENSATION OF
SMOTHERING



CHEST PAIN OR
DISCOMFORT

NAUSEA OR
ABDOMINAL
DISTRESS



CHILLS OR HEAT
SENSATIONS

FEELING DIZZY,
UNSTEADY OR
FAINT



FEAR OF LOSING
CONTROL OR DYING

How Long Does Psilocybin Stay in Your System?

The short-term effects of magic mushrooms typically wear off in 6 to 12 hours. But people can experience long-term changes in personality and flashbacks long after taking the drug.

The average half-life of psilocybin ranges from one to two hours and it generally takes five to six half-lives for a substance to be eliminated from your system.

The typical urine drug screening for employment does not test for psilocybin, but there are specific tests that can be ordered to test for it. Like many other drugs, shrooms can be found in hair follicles for up to 90 days.

Legal highs, scary lows: Decriminalisation of 'magic mushrooms' linked to rise in calls for help

Denver • Edited By: Prapti Upadhayay • Updated: Jun 18, 2024, 09:09 AM IST



Some studies suggest psilocybin alters the brain's way of organising itself and helps the user adopt new mindsets and overcome mental health problems. Photograph:(Others)

 FOLLOW US

Research that examined data from 55 US poison centres between 2013 and 2022 found that calls to poison control centres increased nationwide among teenagers and young people exposed to psychedelic psilocybin following the decriminalisation and legalisation of psilocybin in several states.

"Magic mushroom" which is popular as a recreational drug and was decriminalised in Denver, Colorado, in 2019, contains psilocybin.





CANADA

UNITED STATES

DENVER

COLORADO

WASHINGTON, D.C.

ATLANTIC OCEAN

PACIFIC OCEAN

MEXICO

Gulf of Mexico

THE BAHAMAS

CUBA

0 200 400 mi

0 300 600 km

Decriminalising shifts the attention of law enforcement to other offences, but it does not make psilocybin legal.

Denver was also the first city to legalise small quantities of marijuana in 2005, and it continues to advocate for drug policy reform.



Only two states have made it legal to buy, possess, and even grow magic mushrooms: Colorado in 2022 and Oregon in 2020, both of which legalised psilocybin.

Psilocybin, which is present in magic mushrooms, causes a psychedelic experience that includes euphoria and changes in the way a person perceives time and space.

Psychosis, delusions, hallucinations and agitation can also result from psilocybin usage.

According to the Controlled Substances Act, psilocybin is classified as a Schedule 1 drug in the United States, which means it has a high potential for abuse and no recognised medicinal value.

Drug Scheduling Guide United States

Schedule I Most potential for abuse and dependence
No medicinal qualities
[Heroin](#), [LSD](#), [Marijuana](#) [Ecstasy](#), [Peyote](#)

Schedule II High potential for abuse and dependence
Some medicinal qualities
[Vicodin](#), [Cocaine](#), [Meth](#), [OxyContin](#), [Adderall](#)

Schedule III Moderate potential for abuse/dependence
Acceptable medicinal qualities
Doctor's prescription required
[Tylenol with Codeine](#), [Ketamine](#), [Steroids](#), [Testosterone](#)

Schedule IV Low potential for abuse and dependence
Acceptable medicinal qualities
Prescription required - fewer refill regulations
[Xanax](#), [Darvon](#), [Valium](#), [Ativan](#), [Ambien](#), [Tramadol](#)

Schedule V Lowest potential for abuse/dependence
Acceptable medicinal qualities
Prescription required - fewest refill regulations
[Robitussin AC](#), [Lomofil](#), [Motofen](#), [Lyrica](#)

Source: United States Drug Enforcement Agency

Schedule I drugs, substances, or chemicals are defined as drugs with no currently accepted medical use and a high potential for abuse. Some examples of Schedule I drugs are: [heroin](#), [lysergic acid diethylamide \(LSD\)](#), [marijuana \(cannabis\)](#), [3,4-methylenedioxymethamphetamine \(ecstasy\)](#), [methaqualone](#), and [peyote](#).

 DEA.gov
<https://www.dea.gov> › [drug-information](#) › [drug-schedu...](#) ⋮

[Drug Scheduling - DEA.gov](#)

According to the report, teenage psilocybin usage increased steadily starting in 2019. Serious medical consequences were encountered by several of these young individuals.

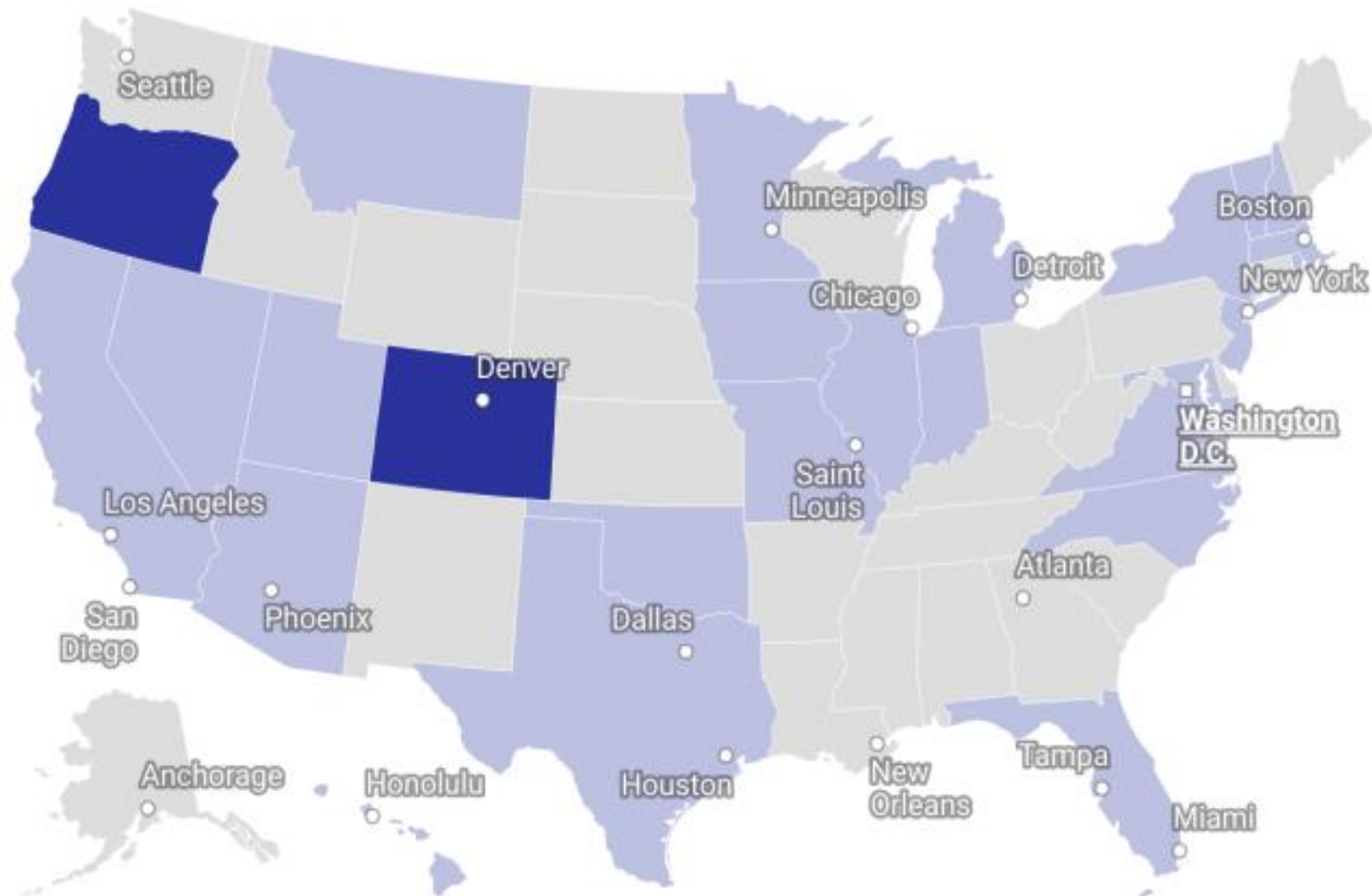
In May 2019, Denver voters approved a ballot proposition to become the first city to decriminalise psilocybin, prompting a surge in calls.

Since then, psilocybin has also been decriminalised in a number of other places, including Seattle, Detroit, and Washington, DC. There is pending legislation in other states and cities.

The National Poison Data System recorded 4,055 cases of psilocybin-related exposures among youth aged 13 to 25 during the 10 years of the study.

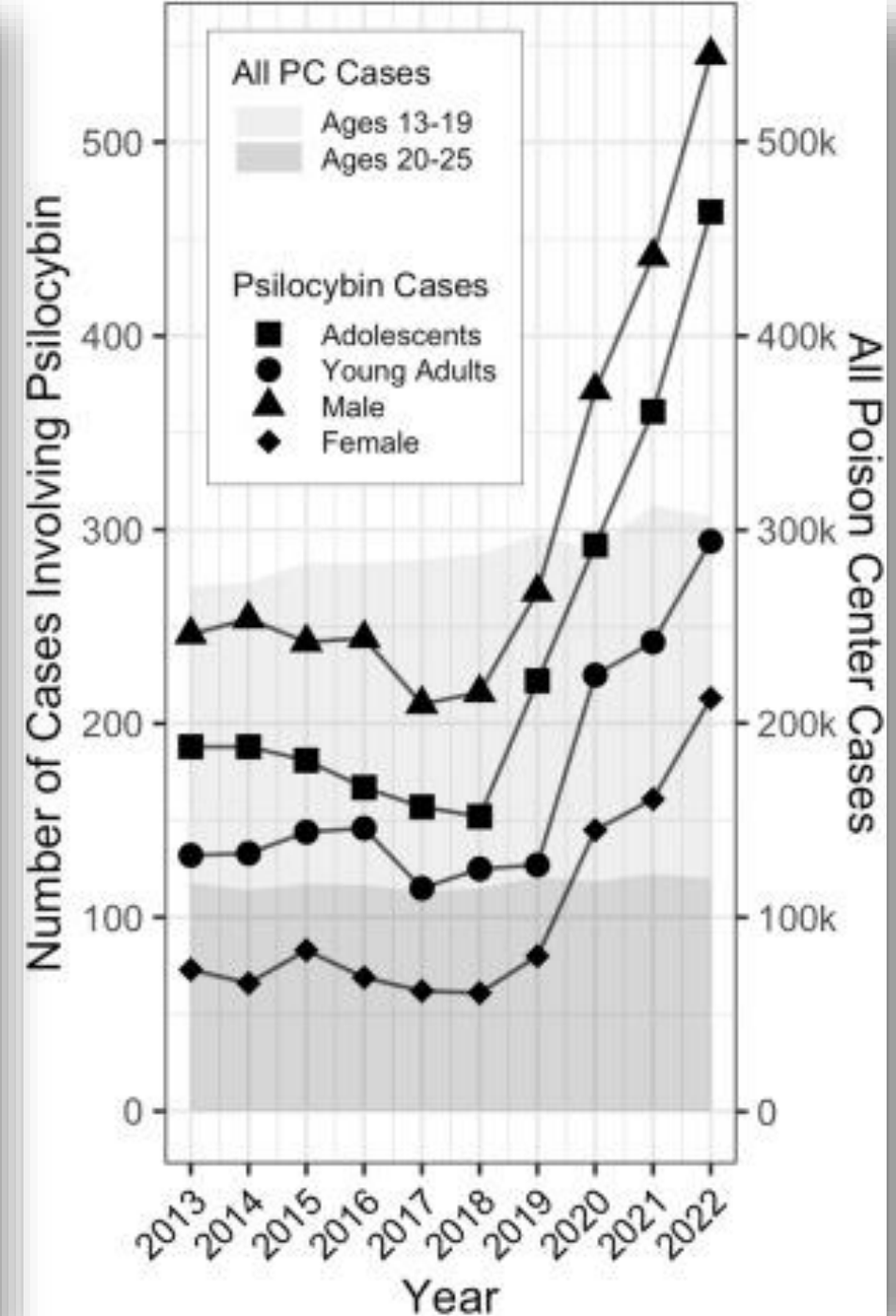
US states with current psilocybin legislation and reform

This map shows 24 states **with pending legislation** to reform the laws related to the chemical compound psilocybin and **two states** where bills have already passed. The data includes information that is updated



Roll over states details on legislation.

Map: The Conversation, CC-BY-ND • Source: Psychedelic Alpha • Created with Datawrapper



Before legalisation in Denver took effect in 2018, there was little variation in the number of psilocybin-related cases across all age groups.

The first legalisation occurred in 2019, coinciding with a significant annual increase in instances among 13 to 18-year-olds, and among 19 to 25-year-olds beginning in 2020.

In only two years, the number of psilocybin instances reported to American poison centres increased thrice among teenagers and twice among young adults when compared to 2018.

75.3% of the instances that were recorded for teenagers and 72.1% for young adults needed medical assistance, which included hospital or mental institution admissions.

In India, the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act 1985 prohibits the use of psychedelic substances.

It was enacted in 1985 and deals with drugs and their trafficking in the country. The act has since been amended thrice in 1988, 2001, and 2014.

The Act prohibits the production, manufacture, sale, purchase, transportation & consumption of many narcotic drugs or psychotropic substances, including cannabis, heroin, opium etc.

- **However Bhang is not prohibited under the Act.**

Section 20 of the NDPS Act lays out the punishment for the production, manufacture, sale, purchase, import and inter-state export of cannabis, as defined in the Act. The prescribed punishment is based on the number of drugs seized.

It also provides for the death penalty in some cases where a person is a repeat offender.

Wild edible mushrooms of Northern Odisha.



(a) *Russula rosea*
Quél



(b) *Russula delica* Fr.



(c) *Russula densifolia*
(Secr.) Gillet.



(d) *Russula violeipes*
Quél.



(e) *Russula cyanoxantha*
(Schaeff.) Fr.



(f) *Russula virescens*
(Schaeff.) Fr.



(g) *Termitomyces heimii* Natarajan



(h) *Termitomyces microcarpus* (Berk. & Broome) R. Heim



(i) *Termitomyces eurhizus* (Berk.) R. Heim



(j) *Termitomyces* sp.



(k) *Amanita hemibapha* (Berk. & Broome) Sacc.



(l) *Amanita egregia*
D.A. Reid

Edible Mushrooms



Chanterelle



Russule



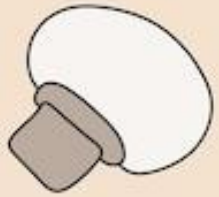
Orange Cap
Boletus



Brown Cap
Boletus



Enoki



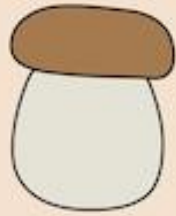
Champignon



Honey Fungus



Yellow Boletus



Boletus



Morel

Poisonous Mushrooms



Corn Silk Inocybe



Deadly Webcap



The Death Cap



Fly Agaric



Liberty Cap



NCERT



FOUNDATION BATCH

BILINGUAL LIVE CLASSES

OFFER FEE

4999 Rs

LIMITED OFFER BATCH START REGISTER START

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR





NCERT

FOUNDATION BATCH

OFFER
FEE
4999 RS
LIMITED OFFER
REGISTRATION START



1. SUBJECTS TO BE TAUGHT (NCERTS FROM CLASS 6TH-12TH)
2. SUBJECTS: GEOGRAPHY, POLITY, HISTORY, INDIAN ECONOMY,
3. LIVE LECTURES DELIVERED IN HINGLISH LANGUAGE BY ANKIT AVASTHI SIR.
4. SPECIAL EMPHASIS ON CONCEPTUAL CLARITY IN CLASSES.
5. ALIGNMENT WITH UPSC AND STATE PSC PATTERN:
6. UNIT WISE WEEKLY TESTS THROUGH UNIQUE WORK BOOK STYLE

FOR UPSC & VARIOUS STATE PSC EXAM

BY ANKIT AVASTHI SIR

SUBSCRIBED



7D

28D

90D

365D

Apr

Mar

Feb

Percenta

31 Mar – 27 Apr 2024

Watch time (hours)

Not subscribed

52.1%



Subscribed

47.9%



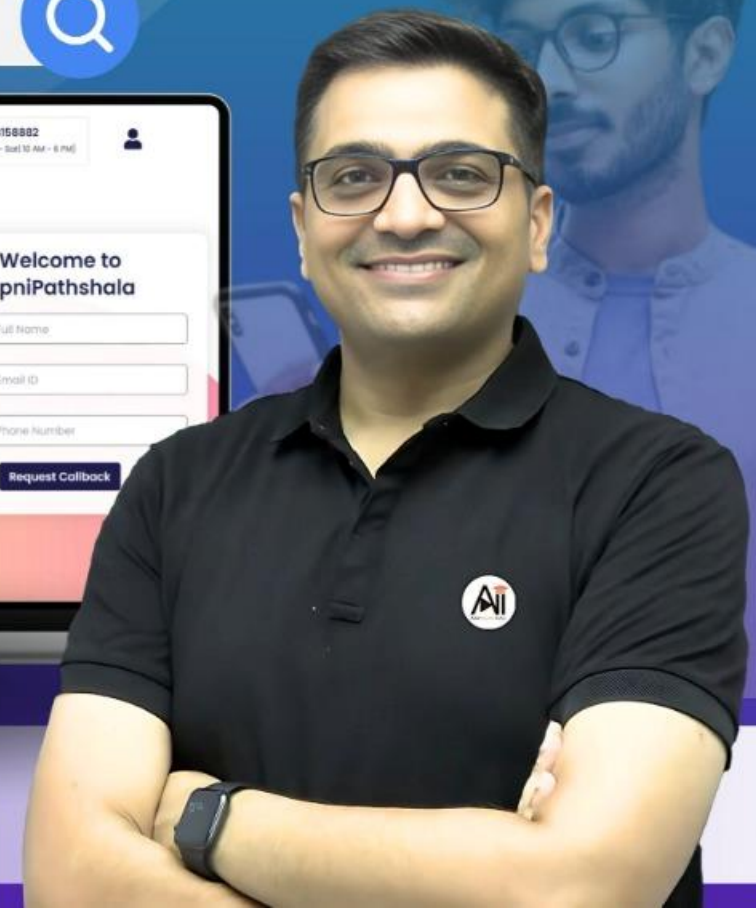
Uttara
x
PPTX +



visit Our Website :-

WWW.apnipathshala.com

- 1) BPSC Courses
- 2) RPSC Courses
- 3) UPPSC Courses
- 4) RNA And Class Pdf
- 5) video lecture
- 6) Daily Current Affairs
- 7) Infographic
- 8) Test series , Quiz



अब तैयारी हुई और आसान

1



Pathshala

अब तैयारी हुई और आसान

Download lessons and learn anytime, anywhere with Apni Pathshala

GET IT ON Google Play | Download on the App Store | Get it on Windows 10

Welcome to ApniPathshala

Enter Your Full Name

Enter Your Email ID

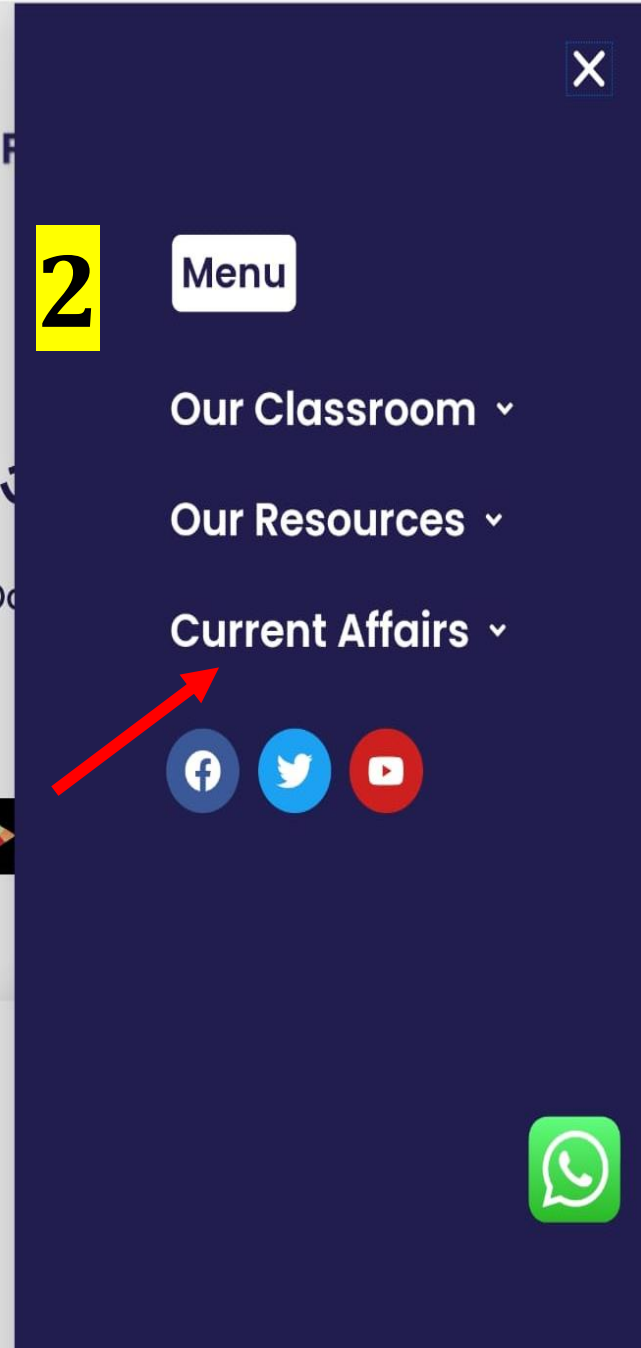


Enter Your Phone Number




2

Menu

- Our Classroom ▾
- Our Resources ▾
- Current Affairs ▾**

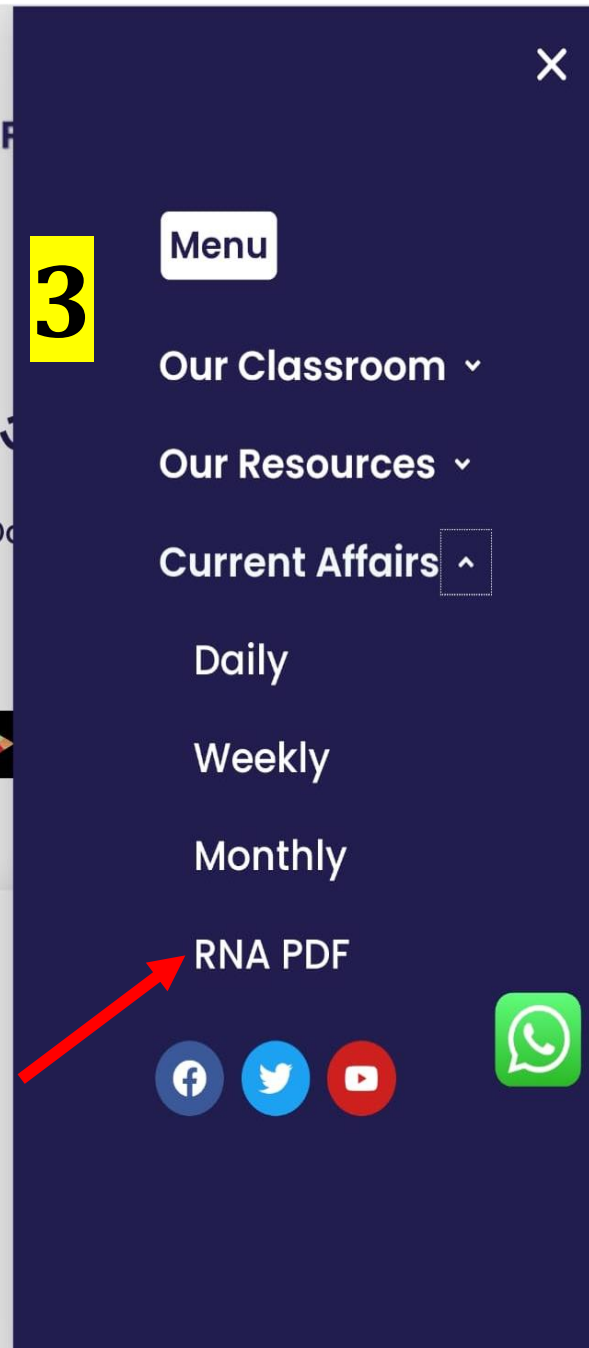


  




3

Menu

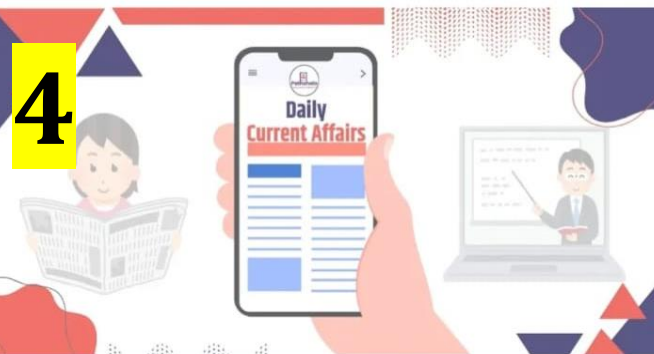
- Our Classroom ▾
- Our Resources ▾
- Current Affairs ▾
 - Daily
 - Weekly
 - Monthly
 - RNA PDF**




4

Pathshala




Current Affairs | CA Daily

CA Weekly | CA Montly | **RNA PDF**



RNA (Real news and analysis)
18 may 2024
May 18, 2024



RNA (Real news and analysis)
17 may 2024
May 17, 2024



2024 GA FOUNDATION RECORDED BATCH

FOR रुद्र GS
FOUNDATION
STUDENTS

Price

1499 /-

पुराने विद्यार्थी
को मिलेगा 799 /-

Validity
1 Year

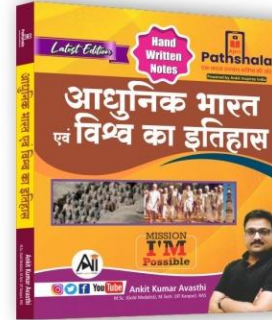
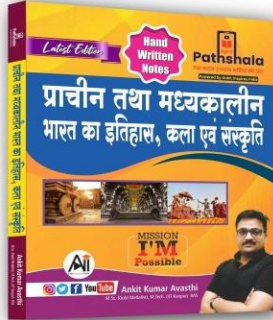
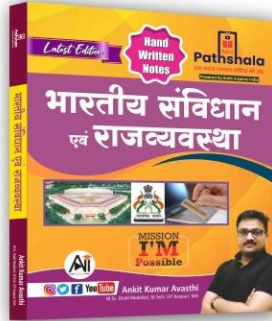
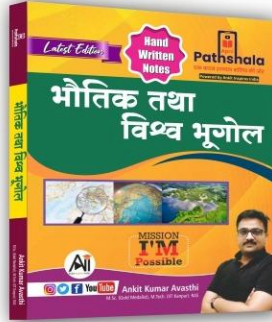
APPLY COUPON CODE
ANKIT50

By Ankit Avasthi Sir



GA FOUNDATION

Hand Written
Notes



₹ Only
1999

6 पुस्तकों
का
सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

📞 **7878158882**

- सिन्धु नदी का उद्गम कॅलाश पर्वतीय क्षेत्र में बीखर-सू हिमनद से होता है।
- तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।
- यह फमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
- यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
- पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
- पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
- सिन्धु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, रुद्रा, हुनजा, गिलागिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
- इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, पिनाब, रावी, व्यास, सतलज, द्रास तथा जास्कर पंचनद
- सिन्धु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
- 'लेट' सिन्धु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

- बेरिनाग झील से होता है।
- * यह नदी बल्लर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
- किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
- इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नवविद्यन परियोजना है।
- यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) पिनाब :- पिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालच्छा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (Confluence) से होता है।

- 1962 में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित हैं।

उदाहरण :- तुलहस्ती, सलाब, बगलिहार

- यह सिन्धु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम शैलांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।

- हिमाचल प्रदेश में इन नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
- पंजाब में इस नदी पर धीन परियोजना स्थित है।

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार नती ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3) दोलन सिद्धान्त (Oscillating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एडन सैंडिज ने प्रतिपादित किया था। इसके अनुसार आज से 180 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 290 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीड़ित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

4) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :-
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विवालयक अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात् अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

तारों का निर्माण :- तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन-चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल

सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्कार एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोलू है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग कोर (Core) कहलाता है।

→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।

→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में 8 मिनट 16.6 सेकेंड का समय लगता है।

→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर ऑरोरा बीरियालिस कहते हैं।
और दक्षिणी ध्रुव पर ऑरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

₹ 1999

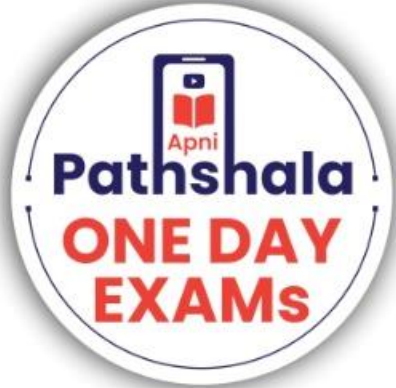
UPPSC, RPSC & BPSC की अपार सफलता के बाद

Apni Pathshala लेकर आया है



SSC | RAILWAY | POLICE

All One Day Competitive Exams के लिए



SUBSCRIBE NOW

By Ankit Avasthi Sir



CALL CENTRE

7878158882



HOW MAY I HELP YOU



AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us:

